राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण सोमवार 06 मई 2024 वर्ष–7,अंक–102 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

पुंछ में आतंकी हमले में एक जवान शहीद, 4 घायल

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक आतंकी हमले में घायल पांच सैनिकों में से एक वायुसेना के जवान ने शनिवार रात उधमपुर के कमांड अस्पताल में दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने शनिवार शाम करीब छह बजकर 15 मिनट पर पुंछ जिले के मेंढर तहसील के गुरसाई वन क्षेत्र में वायुसेना के दो वाहनों पर गोलीबारी की। एक अधिकारी ने कहा कि घायल सैनिकों को सेना के उत्तरी कमान के मुख्यालय उधमपुर के कमांड अस्पताल में पहुंचाया गया। एक घायल सैनिक ने दम तोड़ दिया, जबकि चार अन्य का अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। राष्ट्रीय राइफल्स और अन्य सुरक्षा बलों ने हमलावरों का पता लगाने के लिए अभियान शुरू किया है। इससे पहले वायुसेना ने एक्स पर एक पोस्ट पर कहा था कि पुंछ जिले में शाहसितार के पास आतंकवादियों द्वारा भारतीय वायुसेना के एक वाहन पर हमला किया गया। स्थानीय सैन्य इकाइयों द्वारा क्षेत्र में फिलहाल घेराबंदी और तलाशी अभियान जारी है। काफिले को सुरक्षित कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है।

मैं गांधी परिवार का नौकर नहीं, यहां का नेता हूं: किशोरी लाल

अमेठी । उत्तर प्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार किशोरी लाल शर्मा ने भाजपा की प्रत्याशी और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी को सीधे चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि मैं भी स्मृति ईरानी को हराऊंगा। मैं यहां 1983 से जमीन पर कांग्रेस के लिए काम कर रहा हूं। यहां मीडिया से बातचीत में किशोरी लाल ने अपनी उम्मीदवारी को लेकर कहा कि ये निर्णय शीर्ष नेतृत्व का था। इससे पहले तय नहीं था कि आखिर अमेठी से कौन चुनाव लड़ेगा। लेकिन अब मैं ये बोल रहा हूं कि मैं स्मृति ईरानी को हराऊंगा। कांग्रेस को लेकर उन्होंने कहा कि बड़ी बात बोल रहा हूं कि मैं यहां गांधी परिवार की नौकरी नहीं कर रहा हूं, मैं यहां का नेता हूं। मैं यूथ कांग्रेस में साल 1983 में अमेठी आया था। मैं कांग्रेस से कोई तनख्वाह नहीं लेता हूं। बल्कि विशुद्ध रूप से नेता हूं। मैं जब अमेठी आया था तब इनसे बहुत बड़ी हैसियत रखता था। लेकिन,जिसको जैसे संस्कार मिलते हैं उसको वे वैसे ही प्रदर्शित करता है। उल्लेखनीय है कि अमेठी कांग्रेस की परंपरागत सीट रही है। यहां से पहले राहुल गांधी को चुनाव लड़ाए जाने की चर्चाएं चल रही थीं। लेकिन अमेठी से एक चुनाव हारने के बाद राहुल गांधी को रायबरेली भेज दिया गया। सूत्रों का दावा है कि कांग्रेस ने रणनीति के तहत पहली बार यहां से गांधी परिवार के बाहर किसी जमीनी कार्यकर्ता को मौका दिया है। किशोरी लाल शर्मा की यहां अच्छी पकड़ मानी जाती है। उन्होंने काफी काम भी किया है।

पुंछ में आतंकी हमले को भाजपा का चुनाव पूर्व स्टंट बताकर फंसे चरणजीत सिंह चन्नी

चंडीगढ़ । पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी शनिवार को पुंछ में हुए आतंकी हमले को भाजपा का चुनाव पूर्व स्टंट बताकर विवादों में घिर गए हैं। इस आतंकी हमले में वायुसेना के एक जवान शहीद हो गए थे और चार अन्य घायल हो गए थे। आम चुनाव के बीच, इस बयान ने भाजपा को कांग्रेस पर हमला करने का एक मौका दे दिया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने अब इसे लेकर देश की सबसे पुरानी पार्टी पर हमला बोला है। चन्नी ने जालंधर में चुनाव प्रचार करते हुए कहा, ये सभी स्टंट हैं और आतंकवादी हमले नहीं हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। भाजपा लोगों के जीवन और शवों के साथ खेल रही है। उन्होंने 2019 के पुलवामा हमले की ओर इशारा करते हुए कहा, ये हमले वास्तव में नहीं हो रहे हैं, बल्कि सिर्फ भारतीय जनता पार्टी को फायदा पहुंचाने के लिए हैं।।। जब भी चुनाव होते हैं, तो ऐसे स्टंट खेले जाते हैं, जैसा कि पिछली बार हुआ था। 2019 के पुलवामा हमले में सीआरपीएफ के 40 जवानों की मौत हो गई थी। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने चन्नी के इस बयान पर कहा, यह एक घटिया बयान है। यह उनकी मानसिकता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, सेना को मजबूत करने के बजाय उन्होंने 10 साल तक दलाली की। पुलवामा के बाद हमने सर्जिकल स्ट्राइक की। संसद हमले के आरोपियों की फांसी रोकने के लिए इन लोगों ने रात 2:30 बजे सुनवाई की, लोग अक्साई चिन को भी नहीं भूलेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में रामलला के दर्शन के बाद रोड शो किया

अयोध्या ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को अयोध्या पहुंचे। अयोध्या में उन्होंने रामलला का दर्शन किया। रामलला के दर्शन के बाद प्रधानमंत्री ने अयोध्या में एक रोड शो भी किया। रोड शो में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। पीएम मोदी के साथ इस दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। मोदी ने अयोध्या से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार व सांसद लल्लू सिंह के समर्थन में फूलों और बैनर से सजे एक खुले वाहन (रथ) पर सवार होकर रोड शो शुरू किया और वाहन पर उनके साथ प्रदेश के मुख्े यमंत्री योगी आदित्े यनाथ और लल्े लू सिंह मौजूद थे। मोदी राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य द्वार के पास सुग्रीव किला से रथ पर सवार हुए। प्रधानमंत्री के अभिनंदन व स्वागत के लिए राम पथ के दोनों तरफ जनता काफी पहले से उनका इंतजार कर रही थी। इस दौरान उनकी सुरक्षा को लेकर व्यापक इंतजाम किये गये हैं। भाजपा के एक नेता ने बताया कि सुग्रीव किला से लता मंगेशकर चौक तक करीब दो किलोमीटर की दूरी के बीच मोदी के रोड शो के लिए 75 ब्लॉक बनाये गये हैं जहां हर वर्ग के लोग प्रधानमंत्री के स्वागत के लिए मौजूद हैं। इसके पहले मोदी ने राम मंदिर में भगवान श्री रामलला का दर्शन पूजन किया और पूरी तरह लेटकर आशीर्वाद मांगा। मोदी मंदिर में करीब 15 मिनट रहे और इस दौरान मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने पूजन और आरती भी की। रोड शो के लिए मोदी का रथ जैसे ही आगे बढ़ा नारों से वातावरण गूंज उठा। जय श्री राम, हर हर मोदी-घर घर मोदी, फिर से मोदी सरकार-अबकी चार सौ पार जैसे नारों के बीच उमड़ी भीड़ ने मोदी पर फूलों की बारिश कर दी। उनके स्वागत में जगह जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये थे। बाल कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति दी। साधु संत भी सड़क के किनारे खड़े होकर मोदी के स्वागत में उत्साहित दिखे। मोदी के स्वागत में बच्चे, बड़े और महिलाएं भी मौजूद रहीं। पीएम मोदी के अयोध्या दौरे को खास बनाने के लिए भाजपा की तरफ से जमकर तैयारी की गयी थी। रोड शो के दौरान पीएम मोदी पर जगह-जगह पर पुष्प वर्षा की गयी। पिछले चार महीनों में अयोध्या में पीएम मोदी का यह दूसरा रोड शो है। इससे पहले उन्होंने महर्षि बाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लोकार्पण के दौरान भी भव्य रोड शो किया था।

बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर आई,

29 जून से होगी अमरनाथ यात्रा

नई दिल्ली।

शिवलिंग हर साल सर्दी के मौसम में हुई बर्फबारी के दौरान अपना आकार लेता है और मई-जून के माह से इसके दर्शन होते हैं । इस साल भी शिवलिंग ने अपना आकार ले लिया है। पवित्र अमरनाथ गुफा में हिम शिवलिंग की पहली तस्वीर सामने आ गई है। इस बार शिवलिंग करीब 8 फीट ऊंचा है। अमरनाथ यात्रा के दौरान अमरनाथ गुफा में बनने वाले इस शिवलिंग के दर्शन और पूजन के लिए देश भर से लाखों की तादाद में श्रद्धालु अमरनाथ आते हैं। इस साल अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू हो रही है। यात्रा करीब 50 दिन तक चलेगी, जो कि इस साल रक्षाबंधन के दिन 19 अगस्त को संपन्न होगी।

अमरनाथ मंदिर को हिंदुओं के सबसे पवित्र मंदिरों में से एक माना जाता है और इसके साथ कई किंवदंतियां जुड़ी हुई हैं। इस मंदिर को 51 शक्तिपीठों (वे स्थान जहां देवी सती के शरीर के अंग गिरे थे) में रखा गया हैं। साथ ही इसे उस स्थान के रूप में भी वर्णित करते हैं जहां भगवान शिव ने देवी पार्वती को जीवन और अनंत काल का रहस्य सुनाया था। इस मंदिर का अधिकांश भाग सालों भर बर्फ से घिरा रहता है। गर्मी के मौसम में मंदिर को बहुत कम समय के लिए खोला जाता है। श्रद्धालुओं को 40 मीटर ऊंची इस गुफानुमा मंदिर तक पहुँचने के लिए लगभग 35 से 48 किमी की यात्रा करनी पड़ती हैं, इस गुफा में गिरते पानी की बूंदों से शिवलिंग बनता है।अमरनाथ मंदिर की गुफा

12,756 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यह तीर्थयात्रा अपने जगह और पर्यावरण के कारण एक कठिन ट्रैक है। मंदिर के दर्शन करने के इच्छुक भक्तों को ऊंचाई और दूरी को तय करने के लिए अच्छी सेहत में होना जरूरी है। इस साल अमरनाथ यात्रा 29 जून से शुरू होगी। 50 दिन की इस यात्रा के लिए पंजीकरण 15 अप्रैल यानि सोमवार से शुरू होगा। यात्रा 19 अगस्त को सावन पूर्णिमा को खत्म होगी। जो भी श्रद्धालु इस यात्रा पर जाना चाहते हैं वो आधिकारिक वेबसाइट पर पंजीकरण करा सकते हैं। वार्षिक यात्रा दो मार्गों से होती है - अनंतनाग जिले में पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले में 14 किलोमीटर छोटा और संकरा बालटाल मार्ग। यात्रा का आयोजन जम्मू-कश्मीर सरकार और श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड के संयुक्त सहयोग से किया जाता है।

तुष्टिकरण की राजनीति करते हैं सपा-कांग्रेस के शहजादे- मोदी

सीतापुर ।

उत्तर प्रदेश की , लोक सभा क्षेत्र धौरहरा की हरगांव (सीतापुर) विधानसभा में आयोजित चुनावी सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि लखीमपुर खीरी और सीतापुर को यूपी का चीनी का कटोरा कहा जाता है, लेकिन सपा सरकार ने गन्ना किसानों की जिंदगी में कड़वाहट घोल दी। गन्ना चला जाता था, भुगतान नहीं होता था। ये सारी कमियां योगी सरकार ने दूर कर दी। गन्ना किसानों को जितना पैसा सपा बसपा ने अपने 10 साल में नहीं दिया था, उतना पैसा योगी ने सात साल में दे दिया है। उन्होंने कहा कि यह इलाका केले की खेती का हब बने। इस पर भी हम काम कर रहे हैं। निघासन, धौरहरा मार्ग, गोला से शाहजहांपुर मार्ग का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि सीतापुर और लखीमपुर के लोग गर्व से कह सकते हैं कि हम किसी से कम नहीं। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस के शहजादे तुष्टिकरण की राजनीति कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा सबका साथ सबका विकास के मंत्र पर काम करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश में आरक्षण का कर्नाटक मॉडल लागू करना चाहती हैं। जब तब मोदी जिंदा है, धर्म के आधार पर आरक्षण होने नहीं दूंगा। उन्होंने कहा कि महिलाओं के स्त्रीधन मंगलसूत्र पर सपा और कांग्रेस वालों की नजर है। सीतापुर का हरगांव कस्बा लखीमपुर-सीतापुर मार्ग पर लखीमपुर जिले की सीमा से करीब तीन किलोमीटर की दूरी पर है।

धौरहरा लोकसभा सीट में होने के साथ ही यहां के लोगों का जिले से जुड़ाव भी है। हरगांव से लखीमपुर की दूरी सीतापुर की अपेक्षा कम है।

ब्राजील में बाढ़ कर कहर, 56 की मौत, हजारों लोग बेघर

-घरों, सड़कों व पुलों के मलबे में धंसे लोगों को बचाने कार्य जारी

नई दिल्ली।

दक्षिण अफ्रीका में बाढ़ ने भारी तबाही मचा रखी है। बाढ़ से हुई कीचड़ से अब तक 56 लोगों की मौत हो चुकी है और हजारों लोग बेघर हो गए है। बचाव व राहत कार्य जारी है। बचावकर्मी घरों, सड़कों व पुलों के मलबे में धंसे लोगों को निकालने की कोशिश कर रहे हैं। इस बीच ऐसी भी खबरें आ रही हैं कि रियो ग्रांडे डो सुल में पानी का स्तर बढ़ जाने से बांधों पर बोझ बढ़ रहा है, जिससे कुछ शहरों दहशत का माहौल बना हुआ है। गवर्नर ने इलाके में आपातकाल की घोषणा कर दी है।

गवर्नर ने कहा कि हम इतिहास में अब तक की सबसे खतरनाक त्रासदी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि त्रासदी में मरने वालों की संख्या और इजाफा हो सकता है। उधर राष्ट्रपति लुइज इनासियो लुला डा सिल्वा ने बाढ़ प्रभावित इलाकों में सभी तरह की मदद पहुंचाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि वहां मानव व भौतिक संसाधन की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। ब्राजील मौसम विभाग के अनुसार त्रासदी के लिए लोगों को सचेत रहने को कहा है। राज्य की मुख्य नदी

गुयेबा खतरे के निशान ऊपर पहुंच सकती है और इससे त्रासदी और बढ़ने की आशंका है। एजेंसी के अनुसार कई इलाके पूरी तरह से कट चुके हैं। लगातार भारी बारिश से हालात इतने बुरे हैं कि खतरे वाले इलाकों में रह रहे लोगों को जगह खाली करने के लिए कहा गया है। पीने के पानी जैसी सुविधाएं भी प्रभावित हो गई हैं।

टिकट नहीं मिलने से नाराज वाड्रा ने सोशल मीडिया पर लिख डाली भावुक पोस्ट

नई दिल्ली।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा का इस बार लोकसभा चुनाव लड़ने का सपना टूटा गया है। वाड्रा ने चुनाव लड़ने की इच्छा भी व्यक्त की थी। लेकिन कांग्रेस ने उन्हें कहीं से भी मैदान में नहीं उतारा। कांग्रेस ने अमेठी और रायबरेली से प्रत्याशियों का ऐलान कर चुकी है। रायबरेली से जहां राहुल गांधी ने पर्चा दाखिल किया, वहीं अमेठी लोकसभा सीट से केएल शर्मा ने नामांकन किया है। अमेठी से केएल शर्मा को टिकट देने का फैसला चौंकाने वाला है। कांग्रेस के दोनों गढ़ से लोकसभा चुनाव-2024 के लिए प्रत्याशी तय होने के बाद अब रॉबर्ट वाड्रा का भावुक फेसबुक पोस्ट सामने आया है। उन्होंने अपने फेसबुक पोस्ट में लिखा कि राजनीति की कोई भी शक्ति या पद उनके परिवार के बीच नहीं आ सकता है। बता दें कि रॉबर्ट वाड्रा कई मौकों पर अमेठी से लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुके थे। हालांकि, उन्हें अमेठी से टिकट नहीं मिला।गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा कई मौकों पर कांग्रेस के गढ़ अमेठी से चुनाव लड़ने और सक्रिय राजनीति में आने की मंशा जाहिर कर चुके हैं। पिछले महीने जब उनसे पूछा गया था कि क्या वह अमेठी से चुनाव लड़ने जा रहे हैं? इस सवाल के जवाब में उन्होंने कहा था कि पूरे देश से यह आवाज आ रही है कि मुझे सक्रिय राजनीति में आना चाहिए। मैं हमेशा लोगों के बीच रहता हूं। रॉबर्ट वाड्रा ने आगे कहा था कि अमेठी की मौजूदा सांसद स्े मृति ईरानी ने अपने वादे पूरे नहीं किए हैं। वहां के लोग चाहते हैं कि मैं उनके बीच रहूं।अमेठी से कांग्रेस उम्मीदवार की घोषणा के बाद रॉबर्ट वाड्रा की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने भावुक फेसबुक पोस्ट के जरिये अपनी बात रखी है।

साथ ही उन्होंने उन लोगों का धन्यवाद भी किया है, जिन्होंने उनका समर्थन किया और शुभकामनाएं दीं। रॉबर्ट वाड्रा ने लिखा, 'राजनीति की कोई भी शक्ति, पद हमारे परिवार के बीच नहीं आ सकता। हम सभी अपने महान राष्ट्र की जनता और जनता की बेहतरी के लिए हमेशा काम करेंगे, करेंगे और करते रहेंगे। आपके समर्थन और शुभकामनाओं के लिए सभी को धन्यवाद। मैं सदैव अपनी जनसेवा के माध्यम से यथासंभव लोगों की मदद करूंगा।

प्रचार के आखिरी दिन रूपाला को मिली बड़ी राहत, इस राजपूत समाज ने किया समर्थन का ऐलान

अहमदाबाद .

गुजरात में लोकसभा की 25 सीटों पर 7 मई को वोट डाले जाएंगे और उसके लिए आज शाम 5 बजे प्रचार थम जाएगा. चुनाव प्रचार के आखिरी दिन राजकोट लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी पुरुषोत्तम रूपाला को राहत देनेवाली बड़ी खबर सामने आई है. कारडिया राजपूत समाज ने पुरुषोत्तम रूपाला को अपने समर्थन का ऐलान कर दिया है. दरअसल कल भावनगर में कारडिया क्षत्रिय समाज का सम्मेलन हुआ था, जिसमें सभी एकमत से भाजपा को समर्थन का फैसला किया था. हांलाकि इस सम्मेलन का फैसला सभी लोगों तक नहीं पहुंचने पर आज इसे अखबारी विज्ञापन के जरिए क्षत्रिय समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया गया है. कारडिया क्षत्रिय समाज के प्रमुख नारण मोरी और सचिव भूपत परमार ने यह संदेश राजपूत समाज के नाम जारी किया है. जिसके मुताबिक ÷कारडिया राजपूत समाज का शनिवार को भावनगर में हुए महासम्मेलन में सभी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का समर्थन करने का फैसला किया है. प्रखर राष्ट्रवाद के नूतन प्रणेता और भारत के विकास के लिए अथक परिश्रम में लगे हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सनातन धर्म के विकास और रक्षा के लिए जो काम किए हैं, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता. सूर्यवंशी प्रभु श्रीराम का अयोध्या में निर्मित भव्यातिभव्य मंदिर इसका गवाह है. पीएम मोदी ने केवल राष्ट्रवाद ही नहीं बल्कि राष्ट्र विकासवाद में कोई कसर नहीं छोड़ी. आज भारत विश्व के विकसित देशों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है, जो पीएम मोदी के महत्वाकांक्षी आयोजन और अमलीकरण की फलश्रुति है. हम सब सनातनी हिन्दू भाई, बहन, माता और प्रगतिशील विचार वाले सभी से विनम्र अनुरोध है कि वे आगे आएं और पीएम मोदी के हाथ मजबूत कर आनेवाले वर्षों में भारत को सुपर पावर बनाने की उनकी महत्वाकांक्षा को पूर्ण करने में योगदान दें. जात-पात और धर्म से परे होकर हम सभी पहले भारतीय हैं. मां भारती के गौरव और प्रतिष्ठा को सर्वोच्च ऊंचाई पर पहुंचाने और उसके तेज व समृद्धि की पुन- स्थापना के लिए एक हों. हम सभी साथ मिलकर पीएम मोदी का सहयोग करें और सनातन धर्म के ध्वज को हमारे कीमती व पवित्र वोट से लहराता रखें. आइए, कमल को वोट दें और मां भारती के मस्तक को गर्व से ऊंचा रखें.

संपादकीय

भरी सरकारी झोली

यह सुखद ही है कि देश कर संग्रहण सिस्टम में सुधार की दिशा में सार्थक पहल से एक कदम आगे बढ़ा है। देश में पहली बार जीएसटी का संग्रहण दो लाख करोड़ रुपये से पार चला गया है। कर विशेषज्ञ इसे टैक्स सिस्टम में सुधार के प्रयासों की सफलता बता रहे हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का भविष्य उसके समृद्ध आर्थिक संसाधनों पर ही निर्भर होता है। भारत के अड़ोस-पड़ोस के कई देशों की अर्थव्यवस्था नियोजन के अभाव, भ्रष्टाचार तथा लोकलुभावन नीतियों के व्यय बोझ से चरमरा गई। इसलिये आर्थिक अनुशासन और वित्तीय संसाधनों को समृद्ध करने का प्रयास बेहद जरूरी हो जाता है। यहां उल्लेखनीय है कि अप्रैल में जहां देसी गतिविधियों से कर संग्रह में 13.4 फीसदी का इजाफा हुआ है, वहीं पिछले अप्रैल के मुकाबले में आयात से होने वाला राजस्व संग्रह भी 8.3 फीसदी बढ़ा है। निश्चय ही चालू वित्त वर्ष के पहले ही महीने यानी अप्रैल में सकल वस्तु एवं सेवा कर संग्रह पहली बार रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ रुपये होना अर्थव्यवस्था के लिये शुभ संकेत है, जबकि दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में फिलहाल मंदी के रुझान नजर आ रहे हैं। यह वृद्धि बीते साल अप्रैल में एकत्र जीएसटी के मुकाबले 12.4 फीसदी अधिक है। आर्थिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध तथा गजा में हमास इस्राइल संघर्ष जैसी बाह्य चुनौतियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह में वृद्धि देश की आर्थिक उन्नति के लिये अच्छा संकेत है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कर प्राप्तियों में बढ़ोतरी के मूल में आर्थिक गतिविधियों में तेजी के रुझानों का असर है। उल्लेखनीय है कि वृद्धि आयात उपकर में भी हुई है। वैसे एक तथ्य यह भी है कि आम तौर पर किसी भी नये वित्तीय वर्ष में पहले माह अप्रैल में सरकार को सर्वाधिक वस्तु एवं सेवा कर मिलता है। इस वित्त वर्ष के आने वाले महीनों में जीएसटी संग्रहण से होने वाली आय से अर्थव्यवस्था के स्थायी रुझानों का पता चल सकेगा। निश्चित रूप से आने वाले महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि किन-किन महीनों में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये का आकंड़ा पार करता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अप्रैल माह में केंद्रीय जीएसटी में इस बार 27.8 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ संगृहीत राशि 94,153 करोड़ रुपये रही। दूसरी ओर राज्य जीएसटी संग्रह में आशातीत 25.9 फीसदी की वृद्धि हुई। इस तरह राज्यों की जीएसटी संग्रह राशि 95,138 करोड़ हो गई। यानी राजस्व प्राप्ति की राह में राज्यों की भागीदारी में भी सुधार देखा गया है। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार, सिक्किम, मेघालय नगालैंड को छोड़कर सभी राज्यों में इस साल के पहले महीने जीएसटी राजस्व में वृद्धि हुई है। आर्थिक विशेषज्ञ जीएसटी वृद्धि के मूल में उपभोक्ता उत्पादों की ज्यादा खपत का योगदान बता रहे हैं। गर्मी बढ़ने की चिंता में उपभोक्ता बड़े पैमाने पर एसी व फ्रिज आदि खरीदते हैं। बच्चों के शैक्षिक सत्र समापन के चलते बच्चों की छुट्टियों में पर्यटन बढ़ने को भी एक वजह माना जा रहा है। निस्संदेह, लंबी यात्राओं के चलते आर्थिक गतिविधियों में तेजी आती है। वहीं आम चुनावों के चलते चुनाव प्रक्रिया में जुड़े व्यवसायों की आय में हुई वृद्धि की भी इसमें भूमिका हो सकती है। वहीं दूसरी ओर हमें मानना होगा कि वित्तीय नियामक एजेंसियों की सक्रियता तथा जीएसटी अधिकारियों द्वारा प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता देने से भी जीएसटी संग्रह में वृद्धि का रुझान देखा जा सकता है।

चुनाव में सभी दलों की निगाहें युवाओं पर टिकी

(लेखक- संजय गोस्वामी)

अगर लोकतंत्र के महायज्ञ की बात करें तो समारोह की घोषणा 28 मार्च को माननीय मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा शुरू हो गया मुख्य चुनाव आयुक्त ने 2024 के लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की, जो 19 अप्रैल से 22 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में सात चरणों में होगा। उत्तर प्रदेश, बिहार और पश्चिम बंगाल में सभी सात तारीखों पर मतदान होगा, जबकि जम्मू और कश्मीर में पांच चरणों में मतदान होगा, सात जिलों में मतदान की प्रक्रिया 19 अप्रैल को खत्म हो गई और 1 जून तक सभी सात जिलों में मतदान पूरा हो जाएगा। । पूरे देश में वोटों की गिनती 4 जून को होगी। 4 जून दोपहर तक नई सरकार की तस्वीर लगभग साफ हो जाएगी। सत्ता की चाभी विशेषकर महत्वाकांक्षी युवा मतदाताओं के हाथ में लगती दिख रही है। सभी प्रमुख राजनीतिक दल युवाओं को लुभाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, युवा मतदाताओं की मुखरता नतीजों में झलक रही है। लोकसभा के पिछले दो चुनावों में वह युवा मतदाताओं यानी श्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी के साथ रहे हैं। हालाँकि, जिन देशों में क्षेत्रीय दल और सरकारें सत्ता में रही हैं, उनमें युवाओं ने क्षेत्रीय दलों को प्राथमिकता दी है। इसका कारण यह नहीं है कि युवा भाजपा के समान ही हैं, बल्कि युवा, राष्ट्रवाद और राजनीतिक दलों का स्तर भी अलग-अलग स्तर पर देखा गया है। युवा और महिला मतदाताओं ने वोट देने की पहल की है और इसमें कोई संदेह नहीं है, 2009 और 2014 के चुनावों में महिलाएं और युवा भाजपा के लिए मजबूत मतदाता पाए गए हैं। हमारा लोकतंत्र दुनिया का सबसे जटिल लोकतंत्र है। मतदाताओं की बहुसंख्यक आबादी, विविधताएं और भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक परिस्थितियां बेहद गंभीर हैं, खासकर चुनाव आयोग और चुनाव आयोग के लिए। लेकिन हमें गर्व है कि हमारा चुनाव आयोग और चुनाव प्रणाली दुनिया के देशों में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती है। दुनिया, उसके देश और हमारी सरकार व चाहतों पर नज़र रहती है। पहले चुनावों ने देश में पर्यटन को भी बढ़ावा दिया है और दुनिया भर के लोग हमारे चुनावों और मतदान के साथ-साथ मतगणना में भी रुचि रखते हैं। वे देखने और समझने आते हैं। पूरी दुनिया, देशों की नज़र हमारे सपनों पर रहती है। यहां खास बात यह है कि चुनाव आयोग ने चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और मतदाता अनुकूल बनाने के लिए लगातार प्रयास किये हैं। प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ निष्पक्ष एवं पारदर्शी व्यवस्था भी होनी चाहिए, इसलिए प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा बंद व्यवस्था की आलोचना की गई है। मतदाता मतदान आसान, सुलभ हो गया है और राजनीतिक दलों या अन्य बाहरी प्रभावों पर मतदाताओं की निर्भरता समाप्त हो गई है। जबकि दुनिया के अन्य देशों में लोकतंत्र समान है, हमारे इंडिया में कुल मतदाताओं की तुलना में 18 से 29 वर्ष के आयु वर्ग के मतदाता अधिक हैं। इसके अलावा 26 से 35 वर्ष तक के मतदाता भी युवा और युवा वर्ग की श्रेणी में आते हैं। हमारे देश में विश्व के सबसे अधिक मतदाता संख्या वाले देशों की कुल संख्या से भी अधिक मतदाता हैं। इस साल 18वीं विधानसभा के लिए होने वाले मतदान में 98 ।6 फीसदी मतदाता हिस्सा लेंगे, जबकि यूरोपीय संघ में 40 फीसदी, इंडोनेशिया में 20 ।4 फीसदी, अमेरिका में 16 फीसदी और पाकिस्तान में 12 ।8 फीसदी मतदाता होंगे। वह एक बिगड़ैल वोटर हैं ।जो धर्म के नाम पर चुनाव का नतीजा तय करती है खैर, यह अलग बात थी, लेकिन लोकसभा में पहले दो मुकाबलों के नतीजों से यह साफ हो गया कि युवाओं ने जिस पर भरोसा जताया, वही सरवेरा बन गया। दिलचस्प बात यह है कि युवाओं और महिलाओं में यह विश्वास ही नई सरकार की कुंजी है, खासकर भारत सरकार को मजबूत करने में युवाओं और महिलाओं की सक्रिय भागीदारी। रहा है। चुनाव आयोग द्वारा जारी नतीजों के मुताबिक, 18वीं लोकसभा के चुनाव में 543 सीटों के लिए 96 ।8ब पंजीकृत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इनमें से 82 लाख नए पंजीकृत मतदाता हैं, 47 ।15 लाख महिला मतदाता हैं और 49 ।7 नए पंजीकृत मतदाता हैं। जहां 17वीं लोकसभा चुनाव में लगभग 1 ।5 प्रतिशत नए मतदाता या पहली बार मतदाता थे, वहीं 18वीं लोकसभा चुनाव में 1 ।82 प्रतिशत नए मतदाता या पहली बार मतदाता थे। वे क्या उपयोग करेंगे? दूसरे, पिछले लोकसभा चुनाव में युवाओं को दो श्रेणियों यानी 18 से 25 साल और 26 से 35 साल में बांटकर वोटिंग प्रतिशत का आकलन और विश्लेषण किया गया था। बात यह है कि युवाओं में, समाज के दोनों वर्गों में भाजपा और कांग्रेस की तुलना में मतदान का अंतर बहुत अधिक था। 2019 के लोकसभा चुनाव में 18 से 25 साल के 44 फीसदी युवाओं ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को वोट दिया, जबकि 26 से 35 साल के 46 फीसदी युवाओं ने बीजेपी पर भरोसा जताया। दिलचस्प बात यह है कि दोनों आयु वर्ग में 26-26 फीसदी मतदाताओं ने ब्रिटिश प्रेस पर भरोसा जताया, जबकि 28 से 30 फीसदी युवाओं ने दूसरी पार्टियों पर भरोसा जताया। लेकिन अलगयुवा युवाओं के बीच कांग्रेस और बीजेपी के बीच विश्वास को लेकर कोई बड़ी बात नहीं है और यहां बताया गया है कि वे बीजेपी और नरेंद्र मोदी को क्यों पसंद करते हैं?क्योंकि वो मजबूत चेहरा के रूप में श्री नरेंद्र मोदीजी और उप्र के मुख्य मंत्री योगीजी उभरे हैं। 2019 में वोट बंटवारे से यह भी स्पष्ट हो गया कि विपक्षी दलों में बिना पेंदी के लोटा जैसा है और सभी पार्टियों के मन में प्रधानमंत्री का सपना है। चाहे युवा हों, महिलाएं हों या नए मतदाता हों, तीनों ही श्रेणियों में बीजेपी को कांग्रेस के मुकाबले बहुत ज्यादा समर्थन मिला है ।क्योंकि कांग्रेस परिवारवाद से ऊपर नहीं उठ रही है और जिस तरह श्री राहुल गाँधी की भाषा पब्लिक के सामने आई है वो नहीं चाहती है देश और भी संकट में जाए इससे यह स्पष्ट होता है कि 2024 का चुनाव युवाओ और महिलाओ के कारण दिशा तय करेंगी इस शताब्दी के पूर्वार्ध में अनुमानित जनसंख्या वृद्धि चुनौतीपूर्ण है। अनुमान के आधार पर, मध्य शताब्दी तक 9 से 10 अरब लोग होंगे। वर्तमान जनसंख्या केवल 7 अरब से कम है, जिसका अर्थ है कि इस सदी की शुरुआत से मध्य तक लगभग 50 प्रतिशत की वृद्धि होगी। कोई विशेष मॉडलों की सापेक्ष सटीकता पर बहस कर सकता है, लेकिन वे सभी इस बात से सहमत हैं कि आने वाले दशकों में खिलाने के लिए कई और अधिक मुंह होंगे। आईटी ने मानव प्रयास के कई अन्य पहलुओं को बदल दिया है और व्यापक सामाजिक आवश्यकताओं का जवाब देने के लिए सिस्टम बनाने में मदद की है। दरअसल, परिवहन, संचार, राष्ट्रीय सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रणालियाँ बुनियादी कार्यों को करने के लिए भी पूरी तरह से आईटी पर निर्भर हैं। हालाँकि, सूचना और इसके स्वचालित तकनीकी अवतार ने कृषि को समान स्तर पर प्रभावित नहीं किया है। कृषि का महत्व कृषि एक प्रमुख क्षेत्र है जो आधुनिक मनुष्य के अस्तित्व के लिए महत्वपूर्ण है। पौधे खाद्य श्रृंखला में उत्पादक हैं, और उनके बिना, जीवन चक्र संभव नहीं होगा। कृषि उपज, हालांकि अन्य खाद्य स्रोतों की तुलना में अच्छा है या खराब ये किसान आंदोलन से नहीं किसानों के वोट तय करेंगे किसान अपने फसलों का उपयोग कई खाद्य स्रोतों को स्वयं या उप-उत्पादों जैसे ब्रेड, पाउडर, अन्य वस्तुओं में कार्बनिक योजक आदि के माध्यम से उत्पादित करने के लिए किया जाता है। कृषि से प्राप्त उपज एक देश से दूसरे देश में व्यापार को बढ़ाती है, किसानों के लिए आय लाती है, अन्यथा बेकार पड़ी भूमि का उत्पादक उपयोग करती है, और मेज पर भोजन लाती है। यह हर किसी के दैनिक जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, हालांकि इसे प्रत्यक्ष कारक के रूप में नहीं देखा जा सकता है क्योंकि उपज उन सभी के हाथों तक पहुंचने से पहले एक लंबा रास्ता तय करती है जो इससे लाभान्वित होते हैं। भारतीय कृषि भारत की जीडीपी में 18 ।6 प्रतिशत का योगदान देती है और लगभग 59 प्रतिशत भारतीय कृषि क्षेत्र से अपनी आजीविका प्राप्त करते हैं। समाज के लिए इसके महत्व के कारण, इसे समय के साथ विकसित होना चाहिए और आधुनिक लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए समायोजित होना चाहिए। कृषि प्रगति को बेहतर बनाने में मदद के लिए आईटी को अपनाने और उसका उपयोग करने से, इन क्षेत्रों के मिलन से सभी को लाभ होता है। एक उल्लेखनीय उदाहरण के रूप में हमारे राज्य ने पिछले पांच वर्षों में चौथी बार प्रतिष्ठित कृषि कर्मण पुरस्कार जीता है। यह किसानों और अन्य हितधारकों के लिए प्रौद्योगिकियों की मदद से अधिक रुचि लेने का उदाहरण स्थापित करता है। ऐसे में किसी भी राजनीतिक दल को युवाओं और महिलाओं को अपने गुस्से से रुलाना होगा। उन एजेंडों को चुनाव घोषणापत्रों में इस तरह रखना होगा कि युवा मतदाताओं को प्रभावित किया जा सके। बीजेपी जहां 370 और 400 की बात कर रही है, वहीं पश्चिम बंगाल, वेस्ट व साउथ में एक-दूसरे से पूरी तरह सहमत नहीं हैं। वह बीजेपी को सत्ता से बाहर करने का ही लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। पिछले कुछ सालों से सत्ताधारी पार्टियां ने जनाधार खोकर फिर बापसी भी की है जहाँ उन्होंने कर्नाटका और हिमाचल खोया वहीँ हार से सबक लेकर राजस्थान, मप्र, और छत्तीसगढ़ में जीत हासिल की है हाशिए पर जा रही हैं, ऐसे में बीजेपी या नरेंद्र मोदी का उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाना कोई कोरी कल्पना नहीं लगती। है। अब युवावस्था और परिपक्वता पर संदेह करना बेमानी होगा। इसलिए अब युवा क्रांतिकारियों के जाल में नहीं फंसने वाले हैं, ऐसे में कोई ठोस रणनीति ही युवाओं को प्रभावित कर उनका सर्वेक्षण कर सकेगी। इसलिए, प्रिय युवाओं, कृपया समझ लें कि वे आगामी लोकसभा की तस्वीर बनाएंगे और 18वीं लोकसभा की सत्ता पूरी तरह से युवाओं के हाथ में है और युवा ही अपने दम पर सत्ता की सीढ़ियां पार करते हैं। इसे एक अच्छा संकेत भी माना जा सकता है कि देश की युवा पीढ़ी मुखर हो रही है और अपनी भावनाओं में परिपक्वता का पक्ष रख रही है। ऐसे में राजनीतिक दलों और ठोस मुद्दों को आगे आना होगा तभी युवा मतदाता अपना मन बना सकें।

आज का राशिफल

मेष प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान-पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

विरासत के सहारे जीत की तलाश

(लेखक- सुरेश हिंदुस्तानी)

आलेख का आमुख...

राजनीति में कब क्या हो जाए, कुछ भी नहीं कहा जा सकता। कांग्रेस की स्थिति कमोवेश ऐसी ही है, जिसमें कांग्रेस के बड़े बड़े नेता देश की संसद में पहुँचने के लिए सुरक्षित सीट की तलाश करते दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस में राहुल गांधी भले ही राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं हैं, लेकिन उनकी हैसियत आज भी अध्यक्ष से कहीं अधिक है। परन्तु सवाल यह है कि राहुल दो सीट से चुनाव क्यों लड़ रहे हैं। क्या उनको अपनी जीत के प्रति अंदेशा है या फिर उनको एक और पराजय का भय सता रहा है। पहले राहुल गांधी अमेठी में हार का स्वाद चख चुके हैं। अब वायनाड से रायबरेली आकर फिर से कई प्रकार से सवाल छोड़ दिए हैं। हालांकि कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी को राष्ट्रीय नेता के रूप में प्रचारित किया जाता है, इसका तात्पर्य यही है कि राहुल को देश के किसी भी हिस्से से चुनाव लड़ने में किसी प्रकार का संशय नहीं होना चाहिए, लेकिन कांग्रेस उनके लिए सुरक्षित ठिकाने ढूंढकर खुद ही संशय की स्थिति निर्मित कर रही है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी उत्तरप्रदेश की अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव न लड़ पाने की हिम्मत के बाद आखिर परम्परागत रायबरेली से नामांकन दाखित कर दिया। यह बात सही है कि राहुल गांधी के अमेठी छोड़ने के बाद कांग्रेस राजनीति में कोई ठोस सन्देश देने में सफल नहीं हो रही थी, जिसके कारण कांग्रेस के कई नेता अमेठी के बारे में बोलने से किनारा करने लगे थे। अब राहुल गांधी अपने दादा फिरोज खान, दादी इंदिरा गांधी और माँ सोनिया गांधी की विरासत को बचाने के लिए मैदान में आ गए हैं। यहाँ सवाल यह नहीं हैं कि राहुल गांधी और उनकी कांग्रेस ने रायबरेली को क्यों चुना, बल्कि सवाल यह है कि राहुल गांधी ने अमेठी को क्यों छोड़ा। क्या वास्तव में राहुल गांधी को फिर से अपनी पराजय का डर लगने लगा था? अगर यह सही है तो फिर ऐसा क्यों है कि राहुल गांधी हर बार अपने लिए सुरक्षित स्थान की तलाश क्यों करते हैं। उल्लेखनीय है कि जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी को अमेठी में अपनी ज़मीन खिसकती दिखाई दी, तब उन्होंने एकदम सुरक्षित लगने वाली सीट केरल की वायनाड को चुना। वहाँ से चुनाव जीते जरूर, लेकिन अमेठी की हार कांग्रेस परिवार की हार थीं, जिसे कांग्रेस आज तक भुला नहीं पायी है। ऐसे में कांग्रेस द्वारा राहुल गांधी को अमेठी से चुनाव लड़ाना खतरे से खाली नहीं था। कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी के नामांकन जमा करने के समय जिस प्रकार से बड़े नेताओं का जमघट लगा, वह भले ही जनता में प्रभाव डालने के लिए किया हो, लेकिन इससे यह भी राजनीतिक सन्देश सुनाई दे रहा है कि अब रायबरेली की सीट भी कांग्रेस के लिए आसान नहीं है। यह इसलिए भी कहा जा सकता है कि वहाँ लगभग सभी बड़े नेता उपस्थित हुए। यहाँ तक कि प्रियंका वाड्रा के पति रोबर्ट वाड्रा भी कांग्रेस के विरासती राजनेता के तौर पर उपस्थित हुए। ऐसे में एक सवाल यह भी आता है कि एक ही परिवार के चार व्यक्तियों को कांग्रेस के बड़े नेताओं के रूप में प्रचारित करना निसंदेह कांग्रेस पर परिवारवादी होने को ही प्रमाणित करता है। जिस परिवारवाद के आरोप के कारण कांग्रेस असहज हो जाती है, आज कांग्रेस ने फिर से उसी रास्ते पर कदम बढ़ाने को अपनी नियति मान लिया है। हालांकि कांग्रेस ने आनन फानन में राहुल गांधी को रायबरेली से उम्मीदवार बनाकर यह तो सन्देश दिया ही है कि भारत में रायबरेली ही राहुल गांधी के लिए सबसे सुरक्षित लोकसभा सीट है। यहाँ कांग्रेस का परम्परागत मतदाता है, वहीं यह क्षेत्र नेहरू गांधी परिवार की विरासत भी है। कहा जाता है कि दुनिया का कोई भी व्यक्ति अगर अपनी विरासत को विस्मृत कर देता है, तो उसे नए सिरे से अपनी ज़मीन तैयार करनी पड़ती है। और अगर विरासत के आधार पर अपने कदम बढ़ाता है तो उसकी आधी राह आसान हो जाती है। राहुल गांधी के सामने तमाम सवाल होने के बाद भी ऐसा लगता है कि उन्होंने अपनी आधी बाधा को पार कर लिया है। रायबरेली को कांग्रेस का गढ़ इसलिए भी माना जाता है कि क्योंकि यहाँ से इंदिरा गांधी के पति फिरोज खान दो बार सांसद रहे, उसके बाद इंदिरा गांधी भी सांसद रहीं। अब पिछले पांच बार से सोनिया गांधी लोकसभा का चुनाव जीती हैं। मजेदार बात यह भी है कि वर्ष 1977 के आम चुनाव में जनता लहर में इंदिरा गांधी को भी पराजय का दंश भोगना पड़ा। उसके बाद एक बार भाजपा ने भी परचम लहराया है। इसलिए यह कहा जाना कि रायबरेली में कांग्रेस आसानी से विजय प्राप्त करेंगी, कठिन ही है। आज कांग्रेस की स्थिति देखकर यह भी कहने में गुरेज नहीं होना चाहिए कि आज की कांग्रेस के पास इंदिरा गांधी जैसा नेता नहीं है। ज़ब इंदिरा गांधी चुनाव हार सकती हैं, तब आज तो कांग्रेस की स्थिति बहुत कमजोर है। ऐसा तो तब हुआ, ज़ब उत्तरप्रदेश में समाज़वादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी का कोई अस्तित्व नहीं था, इसलिए कांग्रेस उत्तरप्रदेश में अच्छी खासी जीत हासिल करती थी। लेकिन अब उत्तरप्रदेश का राजनीतिक परिदृश्य बदला हुआ है। अब कांग्रेस के पास पहले जैसा वोट बैंक भी नहीं है, हालांकि इस चुनाव में सपा का समर्थन कांग्रेस के पास है, इसलिए चुनाव में सपा के कार्यकर्ता भी राहुल का प्रचार करेंगे, ऐसे में निश्चित ही कांग्रेस का वजूद बढेगा ही, यह तय है, लेकिन कितना बढ़ेगा, यह कहने में जल्दबाजी ही होगी। वर्तमान में कांग्रेस के लिए यह पेचीदा सवाल ही था कि कांग्रेस की ओर से अमेठी और रायबरेली से किसको प्रत्याशी घोषित किया जाए, क्योंकि इन दोनों सीटों पर प्रथम तो गांधी परिवार का पुख्ता दावा बनता था। इसलिए दोनों क्षेत्रों में से किसी एक से प्रियंका वाड्रा को चुनाव मैदान में उतारने की क़वायद भी की जा रही थी, लेकिन प्रियंका को इस बार चुनाव लड़ने से दूर कर दिया। लेकिन सवाल यह भी उठ रहा है कि क्या राहुल गांधी के रायबरेली से उम्मीदवार बनाए जाने के बाद कांग्रेस अमेठी के चुनाव को गंभीरता से लेगी, क्योंकि अब कांग्रेस का पूरा जोर राहुल गांधी को जिताने में लगेगा। राहुल गांधी को जिताना कांग्रेस की मज़बूरी है, क्योंकि अब राहुल गांधी ही नहीं, पूरी कांग्रेस की साख दांव पर लगी है। अगर कांग्रेस रायबरेली से चुनाव हारती है तो देश में कांग्रेस के बारे में गलत सन्देश जाएगा। यहां पर एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी आ रहा है कि राहुल गांधी द्वारा पिछले चुनाव में भी दो स्थानों से चुनाव लड़े थे, जिसमें अमेठी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। अब वायनाड से उम्मीदवारी के बाद रायबरेली की रुख करके फिर से संदेह को जन्म दिया है। ऐसा लग रहा है कि इस बार वायनाड का चुनाव बहुत ही टक्कर का माना जा रहा है। कुछ खबरें तो राहुल गांधी के हारने तक की बात कह रही हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि इसलिए ही राहुल गांधी को फिर से दो स्थानों से चुनाव लड़ाया जा रहा है। राहुल गांधी का उत्तरप्रदेश से चुनाव लड़ना कोई नया नहीं है, वे अमेठी से भी चुनाव लड़ चुके हैं। इसलिए उनके नाम का जादू कोई नया प्रभाव छोड़ेगा, यह पूरी तरह विश्वास के साथ नहीं कहा जा सकता।

विचार मंथन

राजनीति - वार पर वार करने से क्या फायदा ?

(लेखक राकेश अचल)

अजब राजनीति है ,गजब राजनीति है। आज की राजनीति में राजनीति पर बात ही नहीं हो रही। राजनीति पर बातचीत के अलावा हर विषय पर बात हो रही है। और तो और अब काल्पनिक उपाधियाँ राजनीति का विकल्प बन गयीं है विमर्श के लिए। राजनीतिक दलों को एक -दूसरे पर वार करते देख हमारे पड़ौसी पाकिस्तान ने भी हमारी सेना पर आतंकी हमला कर दिया । क्योंकि वार प्रति वार में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी बार-बार पाकिस्तान को घसीट रहे थे ,जबकि बेचारा पाकिस्तान अपनी ही समस्याओं से बाहर निकल नहीं पा रहा है। बात शरू करते हैं उपाधियों से। माननीय नरेंद्र भाई दामोदर दास मोदी जी ने कांग्रेस के नेता माननीय राहुल राजीव गांधी को शहजादे कहना शुरू किया तो कांग्रेस दस साल तो मौन रही लेकिन अब शाहजादे की सहोदरा प्रियंका ने मोदी जी को ही शंहशाह बताना शुरू कर दिया है। प्रियंका कहतीं है कि उनके भाई ने तो पैदल 4 हजार किलोमीटर की यात्रा कर भारत को जोड़ने की कोशिश की है लेकिन शंहशाह माननीय नरेंद्र भाई मोदी महलों में रहते हैं। आपने कभी टीवी पर उनका चेहरा देखा है ? एकदम साफ सुथरा सफेद कुर्ता, एक दाग नहीं है धूल का। एक बाल इधर से उधर नहीं होता है। वो कैसे समझ पाएंगे कि आप किस दलदल में धंसे हुए हो. महंगाई से आप दब चुके हो. हर तरफ महंगाई, मेरी बहनें... मिट्टी का तेल आज कितने का है? सब्जी खरीदने जाती हो,मिलती है क्या? भाव क्या है उसका ? आपको बता दूँ कि जैसे मै टीवी पर नेताओं के दर्शन नहीं करता, उनके प्रवचन नहीं सुनता वैसे ही अखबारों में भी नेताओं की बातों पर ध्यान नहीं देता । मै नौन,तेल ,लकड़ी से ही नहीं उबर पाता फिर भी सबकी बातें कानों में पड़ ही जातीं हैं। मै कभी-कभी सोचता हूँ कि यदि राहुल गांधी शाहजादे हैं तो फिर अम्बानी और अडानी के तो जिल्लेइलाही से बढ़कर ही होंगे,क्योंकि उनके पास तो राहुल गाँधी और नरेंद्र भाई मोदी से ज्यादा धन-दौलत है । अडानी और अम्बानी तो कभी देश जोड़ने सड़कों पर नहीं निकलते। उन्हें तो देश में नौन ,तेल,लकड़ी आटा का भाव मालूम नहीं होगा !

हमारे देश की जनता बड़ी भोली-भाली है ,आजकल तो आधी जनता अंधभक्ति में भी डूबी है। जनता माननीय मोदी जी की बात पर भरोसा कर जैसे राहुल गांधी को शाहजादा नहीं मान रही मुझे लगता है कि प्रियंका के कहने पर मोदी जी को शहंशाह नहीं मानेगी।बकौल मोदी जी कांग्रेस और कांग्रेस के नेता विश्वास खो चुके हैं। इस समय देश में शहंशाह तो हमारे अमिताभ भाई बच्चन ही हैं। हाँ मोदी जी राजनीति के शहंशाह हो सकते हैं ,क्योंकि उनके पास सब कुछ है लेकिन एक अदद साइकल नहीं है।अब तो माँ भी नहीं है । पत्नी को वे पहले ही त्याग चुके हैं भारत में जिस देश के पास साइकिल भी न हो,माँ न हो ,पत्नी न हो उसे शहंशाह कहना भारत में शहंशाह रहे तमाम शंशाहों की तौहीन है। खुला अपमान है। बहरहाल दाल-भात में मूसलचंद की तरह माननीय मोदी जी ने जब बार-बार पाकिस्तान को भारत के चुनावों में घसीटा तो वो सचमुच भारत आ ही गया । पाकिस्तान के आतंकवादियों ने पूंछ में भारतीय वायुसेना के काफिले पर हमला कर दिखा दिया कि पाकिस्तान के आतंकी किसी 56 इंच के सीने वाले से नहीं डरते। पाकिस्तान को इस हिमाकत की सजा मिलना चाहिए। मुमकिन है कि मतदान का तीसरा चरण पूरा होते-होते ये छोटा सा आतंकी हमला पुलवामा काण्ड की तरह बड़ा स्वरूप ले ले। भले ही ये सब देशहित में नहीं होगा लेकिन इससे सत्तारूढ़ दल की डूबती नाव तो बचाई जा सकती है। मुझे कभी -कभी आशंका होती है कि मोदी जी राहुल की तरह बार-बार पाकिस्तान को भी उकसाते रहते हैं कि -आ बैल मुझे मार मोदी जी सनातनी आदमी हैं। सनातन को मानते हैं लेकिन केंद्रीय चुनाव आयोग को नही। वैसे ये उनके मन की बात है । पिछले दिनों जब इसरो के वैज्ञानिकों ने अपना तमाम कामकाज छोड़कर माननीय के निर्देश पर रामलला को सूर्यतिलक कराया था तब माननीय मोदी जी आदर्श आचार संहिता का पालन करते हुए अयोध्या नहीं गए था ।उन्होंने अपने हैलीकाप्टर में ही वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये बाकायदा अपने जूते उतारकर इस दृश्य को देखा था। लेकिन अब मोदी जी का मन बदल गया है। वे उत्तरप्रदेश में राहुल गांधी की वापसी के बाद अयोध्या जाकर न सिर्फ वहां रोड शो करेंगे बल्कि रामलला के दर्शन भी करेंगे । अब किसी आदर्श आचार संहिता का उललंघन नहीं होगा। हो भी जाये तो कौन परवाह करता है।? रामलला बड़े कि केंचुआ ? संयोग से हमारे देश की आदर्श चुनाव संहिता में चुनाव प्रक्रिया के चलते दल-बदल करने पर कोई रोक नहीं है। इसी का लाभ लेते हुए भाजपा कांग्रेस के हाथों से उनके बम ही नहीं छुड़ा रही बल्कि फेयर एंड लवली को भी अपनी पार्टी में शामिल करने से नहीं हिचक रही। एन मतदान के दिन तक दल-बदल स्वीकार कर रही है ।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एयर इंडिया में अब ले जा सकेंगे 15 किलो तक का सामान

मुंबई । विमानन कंपनी एयर इंडिया ने घरेलू उड़ानों पर न्यूनतम किराये वाली श्रेणी में एक यात्री के लिए केबिन में रखने के लिए सामान का न्यूनतम वजन 20 किलोग्राम से घटाकर 15 किलोग्राम कर दिया है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअर इंडिया ने पिछले अगस्त में पेश मूल्य निर्धारण मॉडल में बदलाव किया है। एयरलाइन ने कहा कि सभी के लिए एक आकार का नजरिया अब आदर्श नहीं है। एयरलाइन के एक प्रवक्ता ने कहा कि किराया मॉडल में तीन श्रेणियां हैं- कम्फर्ट, कम्फर्ट प्लस और फ्लैक्स। ये अलग-अलग मूल्य पर अलग-अलग सुविधाएं प्रदान करते हैं। कम्फर्ट और कम्फर्ट प्लस श्रेणियों के तहत दो मई से निशुल्क केबिन बैगेज सुविधा को 20 किलोग्राम और 25 किलोग्राम से घटाकर 15 किलोग्राम कर दिया गया है। मौजूदा किराया मॉडल से पहले एयर इंडिया की घरेलू उड़ानों में यात्रियों को 25 किलोग्राम केबिन सामान बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के ले जाने की अनुमति थी।

टीबीओ टेक का आईपीओ 8 मई को खुलेगा

मुंबई । यात्रा सेवा प्रदाता टीबीओ टेक लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार में 8 मई को खुलेगा। एंकर निवेशक 7 मई को आईपीओ को सब्सक्राइब कर सकेंगे। कंपनी आईपीओ के जरिए 1,550 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। टीबीओ टेक का आईपीओ 08 मई से 10 मई तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला रहेगा। आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 875 रुपये से 920 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। टीबीओ टेक आईपीओ का लॉट साइज 16 शेयरों का है। आईपीओ में भाग लेने के लिए खुदरा निवेशकों को न्यूनतम 14,720 रुपये निवेश करना होगा। एनआईआई के लिए न्यूनतम लॉट साइज निवेश 14 लॉट है, कुल 206,080 और बीएनआईआई के लिए, यह 68 लॉट है, कुल 1,000,960 है। आईपीओ के जरिए कंपनी 43 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। वहीं ऑफर फॉर सेल के तहत 1.25 करोड़ शेयर जारी किया जाएगा।

गो फैशन चालू वित्त वर्ष में 120 से 150 नए स्टोर खोलेगी

चेन्नई । गो फैशन (इंडिया) लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष में 120-150 नए स्टोर खोलने की योजना बनाई है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह जानकारी दी। गो फैशन के पास महिलाओं के लोकप्रिय ब्रांड गो कलर्स का स्वामित्व है। अे धिकारी ने कहा कि कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष में कुल 94 स्टोर जोड़े, जिससे हमारे कुल स्टोर की संख्या संख्या 714 हो गई है। गो फैशन विभिन्न शहरों में उपभोक्ताओं तक पहुंच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल कर रही है। वह स्टोर के अलावा उपभोक्ताओं को ऑनलाइन खरीदारी का अनुभव भी उपलब्ध करा रही है। इस बीच शहर स्थित इस कंपनी ने जनवरी-मार्च, 2024 की तिमाही में 13.1 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 14.8 करोड़ रुपये रहा था। बीते पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का मुनाफा 82.8 करोड़ रुपये पर स्थिर रहा है।

पेटीएम की पेरेंट कंपनी के सीओओ ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली । पेटीएम की मूल कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस के अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) भावेश गुप्ता ने कंपनी से इस्तीफा दे दिया है। कंपनी ने एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी। फिनटेक फर्म पेटीएम ने वरिष्ठ प्रबंधन में फेरबदल के तहत राकेश सिंह को पेटीएम मनी का मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया है। कंपनी ने अब तक पेटीएम मनी का नेतृत्व कर रहे वरुण श्रीधर को पेटीएम सर्विसेज का सीईओ बनाया है। पेटीएम सर्विसेज म्यूचुअल फंड और अन्य धन प्रबंधन उत्पादों के वितरण कारोबार में शामिल है। बयान में कहा गया कि भुगतान और उधार कारोबार की देखरेख करने वाले अध्यक्ष और मुख्य परिचालन अधिकारी भावेश गुप्ता ने व्यक्तिगत कारणों से कामकाजी जीवन से अवकाश लेने का फैसला किया है। वह साल के अंत तक पेटीएम की विकास पहलों के लिए मार्गदर्शन देते हुए सलाहकार की भूमिका में आ जाएंगे।

मारुति सुजुकी अर्टिगा सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कार

- 30 किलोमीटर का माइलेज, ये है बेस्ट फैमिली कार

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी अर्टिगा देश की सबसे ज्यादा बिकने वाली 7 सीटर कार बन गई है। यह 7 सीटर बेहतरीन इंजन और माइलेज के साथ आती है। कंपनी कार को सीएनजी वेरिएंट में भी ऑफर करती है। आइए आपको बताते हैं इसमें क्या खास है और क्यों ये कार लोगों की पसंद लगातार बनी हुई है। अर्टिगा की कीमत की बात की जाए तो इसका बेस वेरिएंट 8.69 लाख रुपये की एक्स शोरूम में उपलब्ध है।

वहीं कार का टॉप वेरिएंट 13.03 लाख रुपये (एक्स शोरूम) कीमत पर मिल रहा है। कार के अलग-अलग वैरिएंट में आपको 7-इंच स्मार्टप्ले प्रो टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट, कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी (टेलीमेटिक्स), क्रूज कंट्रोल, ऑटो हेडलैंप्स, क्लाइमेट कंट्रोल एसी, पैडल शिफ्टर्स, 4 एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, ब्रेक असिस्ट, रियर पार्किंग सेंसर्स, आईएसोफिक्स चाइल्ड सीट एंकरेज, ईएसपी के साथ हिल होल्ड कंट्रोल जैसे फीचर्स देखने को मिलते हैं। कार में मैनुअल और ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन का ऑप्शन भी मिलता है। वहीं नेक्सॉन की बात की जाए तो 1.2 लीटर इंजन के साथ आती है। अब अर्टिगा के माइलेज की बात की जाए तो ये पेट्रोल पर 24 किलोमीटर प्रति लीटर और सीएनजी पर 30 किलोमीटर प्रति किलो तक का माइलेज दे देती है।मारुति अर्टिगा 1.5

लीटर का डुअलजेट पेट्रोल इंजन ऑफर करती है। ये माइल्ड हाईब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ आता है। ये इंजन 103 बीएचपी की पावर और 136.8 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। वहीं सीएनजी पर भी कार की पावर कम नहीं है। सीएनजी पर ये कार 88 बीएचपी की पावर और 121 एनएम का टॉर्क जनरेट करती है।

टीपीआरईएल ने एसजेवीएल से समझौता किया

नई दिल्ली । टाटा पावर रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (टीपीआरईएल) ने कहा कि उसने 460 मेगावाट की दृढ़ और प्रेषण योग्य नवीकरणीय ऊर्जा (एफडीआरई) परियोजना स्थापित करने के लिए एसजेवीएन लिमिटेड के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। एफडीआरई संयंत्र से निर्बाध रूप से लगातार बिजली आपूर्ति की जा सकती है। इससे बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) को उनके नवीकरणीय खरीद दायित्वों (आरपीओ) और ऊर्जा भंडारण दायित्वों (ईएसओ) को पूरा करने में मदद मिलती है। बयान के मुताबिक 460 मेगावाट की एफडीआरई की इस तरह तैयार किया गया है, ताकि यह सौर, पवन और बैटरी भंडारण प्रौद्योगिकियों के संयोजन से बिजली की अधिकतम मांग के दौरान कुशलता के साथ बिजली आपूर्ति कर सके। टीपीआरईएल ने कहा कि इस संयंत्र से सालाना करीब 300 करोड़ यूनिट बिजली पैदा होने और 220 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन की भरपाई होने की उम्मीद है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि एसजेवीएन लिमिटेड के साथ इस साझेदारी से टीपीआरईएल टिकाऊ ऊर्जा समाधानों को अपनाकर हरित ऊर्जा उद्देश्यों को पूरा करने में योगदान कर सकेगी।

कोटक बैंक का मुनाफा बढ़कर 4,133 करोड़ हुआ

मुंबई । निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक का मुनाफा वित्त वर्ष 2023-24 की जनवरी-मार्च तिमाही में 18 प्रतिशत बढ़कर 4,133 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। पिछले साल की समान तिमाही में यह 3,496 करोड़ रुपये था। हाल ही में घोषित वित्तीय परिणामों में बैंक ने बताया कि तिमाही के दौरान उसकी शुद्ध ब्याज आय 13 प्रतिशत बढ़कर 6,909 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 6,103 करोड़ रुपये थी। बैंक ने अपनी परिसंपत्ति की गुणवत्ता में भी सुधार दर्ज किया है। सकल गैर-निष्पादित परसंपत्ति (एनपीए) पिछले साल के 1.78 प्रतिशत से घटकर 1.39 प्रतिशत रह गई है। शुद्ध एनपीए भी एक साल पहले के 0.37 प्रतिशत से गिरकर 0.34 प्रतिशत पर आ गया। बैंक द्वारा दिया गया ऋण मार्च के अंत में एक साल पहले के मुकाबले 20 प्रतिशत बढ़कर 3,91,729 करोड़ रुपये हो गया।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से छह कंपनियों का मार्केट कैप 68,417 करोड़ घटा

- प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 कंपनियों में से छह के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 68,417.14 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान भारती एयरटेल और रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। बीते सप्ताह जहां रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी), इन्फोसिस, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन बढ़ गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 23,341.56 करोड़ रुपये घटकर 19,40,738.40 करोड़ रुपये पर आ गया। एलआईसी की बाजार हैसियत 5,724.13 करोड़ रुपये घटकर 6,19,217.27 करोड़ रुपये रह गई। इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 5,686.69 करोड़ रुपये घटकर 5,87,949.62 करोड़ रुपये रह गया। आईटीसी के मूल्यांकन में 4,619.35 करोड़ रुपये की गिरावट आई और यह 5,44,645.97 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 1,409.76 करोड़ रुपये घटकर 5,20,551.94 करोड़ रुपये रह गई। इस रुख के विपरीत भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 26,907.71 करोड़ रुपये बढ़कर 7,42,126.11

करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई बैंक ने सप्ताह के दौरान 24,651.55 करोड़ रुपये जोड़े, जिससे इसका बाजार मूल्यांकन 8,02,401.77 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। टीसीएस का बाजार पूंजीकरण 9,587.93 करोड़ रुपये बढ़कर 13,89,110.43 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 6,761.25 करोड़ रुपये बढ़कर 11,53,704.84 करोड़ रुपये हो गई। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर कायम रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, भारती एयरटेल, एलआईसी, इन्फोसिस, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

बीते सप्ताह सरसों तेल-तिलहन, सोयाबीन तिलहन के भाव तेज रहे

- बाकी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए

नई दिल्ली ।

किसानों द्वारा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से कम भाव पर बिकवाली से बचने की वजह बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में सरसों तेल-तिलहन तथा सोयाबीन तिलहन के भाव मजबूत बंद हुए। विदेशी बाजारों में दाम टूटने के कारण बाकी तेल-तिलहनों के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। बाजार के जानकार ने कहा कि विदेशों में सोयाबीन डीगम तेल का दाम पहले के 930-935 डॉलर प्रति टन से घटकर 910-915 डॉलर प्रति टन रह गया है, जो पिछले कई साल का सबसे निचला स्तर है। इस गिरावट का असर यहां अधिकांश तेल-तिलहनों पर हुआ और उनके दाम कमजोर हो गये। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 90 रुपये के सुधार के साथ 5,350-5,390 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 50 रुपये बढ़कर 10,125 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 10-10 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 1,730-1,830 रुपये और 1,730-1,845 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव भी क्रमशः 100-100 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 4,850-4,870 रुपये प्रति क्विंटल और 4,650-4,690 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।लेकिन इसके उलट सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमशः 275 रुपये, 200 रुपये और 255 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 9,750 रुपये और 9,525 रुपये और 8,120 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन में गिरावट रही।

मूंगफली तिलहन का दाम 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,050-6,325 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली गुजरात और मूंगफली सॉल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव भी क्रमशः 200 रुपये और 35 रुपये की हानि के साथ क्रमशः 14,525 रुपये क्विंटल और 2,200-2,465 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।समीक्षाधीन सप्ताह में कच्चा पाम तेल (सीपीओ) 175 रुपये की गिरावट के साथ 8,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 350 रुपये की गिरावट के साथ 9,750 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 375 रुपये की गिरावट के साथ 8,800 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।गिरावट के आम रुख के अनुरूप बिनौला 100 रुपये की गिरावट के साथ 9,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

देश में बीते वित्त वर्ष में 1.85 लाख नई कंपनियों का पंजीकरण हुआ

- इस साल मार्च में लगभग 16,600 कंपनियों की स्थापना की गईं

नई दिल्ली। बीते वित्त वर्ष 2023-24 में देश में 1.85 लाख से अधिक कंपनियों का पंजीकरण किया गया। यह इससे पिछले वित्त वर्ष में पंजीकृत कंपनियों से कहीं अधिक है। इस साल मार्च में लगभग 16,600 कंपनियों की स्थापना की गईं। आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में 18,132.16 करोड़ रुपये की सामूहिक चुकता पूंजी के साथ 1,59,524 कंपनियां पंजीकृत हुई थीं। मार्च, 2024 के ओ खिरी में देश में कुल 26,63,016 कंपनियां थीं और इनमें से 16,91,495 या 64 प्रतिशत कंपनियां सक्रिय थीं। आंकड़ों से पता चलता है कि इनमें से कम से कम 9,31,644 पंजीकृत कंपनियां बंद हो गईं, 2,470 निष्क्रिय थीं और 10,385 कंपनियां परिसमापन के तहत थीं। कुल 27,022 कंपनियों को आधिकारिक रिकॉर्ड से हटाने की प्रक्रिया जारी थी। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय के मार्च के बुलेटिन के अनुसार, 2023-24 में कुल 30,927.40 करोड़ रुपये की चुकता पूंजी वाली 1,85,312 कंपनियां पंजीकृत की गईं। इनमें से 71 प्रतिशत कंपनियां सेवा क्षेत्र की थीं। इसके बाद 23 प्रतिशत औद्योगिक क्षेत्र की और छह प्रतिशत कृषि क्षेत्र से संबंधित थीं।

प्याज निर्यात से रोक हटाने से पहले निर्वाचन आयोग की अनुमति ली गई: सूत्र

- प्रतिबंध हटने से खुदरा बाजार में कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने से पहले निर्वाचन आयोग की अनुमति ली है। सरकारी सूत्रों के अनुसार वित्त मंत्रालय के तहत राजस्व विभाग ने 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क और 550 अमेरिकी डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) की शर्तों के तहत प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटाने के लिए निर्वाचन आयोग से अनुमति ली है। सरकार ने शनिवार को प्याज निर्यात से प्रतिबंध हटा दिया था। इस फैसले से बड़ी संख्या में किसानों को मदद मिलेगी। यह फैसला ऐसे समय लिया गया है जबकि महाराष्ट्र सहित कई प्रमुख उत्पादक क्षेत्रों में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान होने वाला है। सरकार ने 550 डॉलर प्रति टन के न्यूनतम निर्यात मूल्य (लगभग 46 रुपये प्रति किलोग्राम) के साथ ही 40 प्रतिशत का निर्यात शुल्क लगाया है। इस शुल्क को देखते हुए 770 डॉलर प्रति टन या 64 रुपये प्रति किलोग्राम से कम भाव पर प्याज निर्यात की अनुमति नहीं दी जाएगी। प्याज के निर्यात से प्रतिबंध हटाने का निर्णय उपभोक्ता मामलों के विभाग की सिफारिश पर लिया गया है। विभाग देश में प्याज की उपलब्धता और कीमत की स्थिति पर नजर रखता है। पिछले साल आठ दिसंबर को केंद्र ने उत्पादन में संभावित गिरावट की चिंताओं के बीच खुदरा कीमतों को नियंत्रित करने के लिए प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था। पिछले 4-5 साल के दौरान देश से सालाना 17 लाख से 25 लाख टन प्याज का निर्यात हुआ है। उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने कहा कि प्रतिबंध हटने से खुदरा बाजार में कीमतों में कोई वृद्धि नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कीमतें स्थिर रहेंगी। अगर कोई बढ़ोतरी होती है, तो यह बहुत मामूली होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं और किसानों दोनों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

ट्रेडमार्क पर विवाद को लेकर टेस्ला गुरुग्राम की कंपनी के खिलाफ कोर्ट पहुंची

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली अमेरिकी कंपनी टेस्ला इंक ने दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। एलन मस्क की कंपनी ने गुरुग्राम बेस्ड कंपनी के खिलाफ दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। यह मामला ट्रेडमार्क के उल्लंघन से जुड़ा हुआ है जिस कंपनी के खिलाफ टेस्ला इंक हाई कोर्ट पहुंची है, उसका नाम टेस्ला पावर इंडिया है। टेस्ला इंक ने हाई कोर्ट से मांग की है कि वह टेस्ला पावर इंडिया को ट्रेडमार्क टेस्ला का इस्तेमाल करने से रोके। टेस्ला इंक की ओर से कोर्ट में पेश हुए एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि ट्रेडमार्क के गलत इस्तेमाल से अमेरिकी कंपनी की प्रतिष्ठा पर आंच आ रही है और उसके व्यावसायिक हित प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नाम के इस्तेमाल से ग्राहकों को भी भ्रम हो रहा है। टेस्ला पावर की बैटरी के खिलाफ आने वाली शिकायतें अमेरिकी कंपनी ईवी मेकर टेस्ला इंक को रिडाइरेक्ट कर दी जा रही हैं, क्योंकि ग्राहक उसे एलन मस्क की कंपनी से जुड़ा हुआ मान ले रहे हैं। अधिवक्ता का आरोप है कि गुरुग्राम बेस्ड कंपनी टेस्ला पावर अपनी बैटरियों का अखबारों में विज्ञापन दे रही है, जिनमें वह खुद को एक इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी के रूप में दिखा रही है। इतना ही नहीं, बल्कि गुरुग्राम स्थित कंपनी टेस्ला पावर अमेरिकी कंपनी के लोगो का भी इस्तेमाल कर रही है। अमेरिकी कंपनी की याचिका के बाद कोर्ट ने गुरुग्राम स्थित कंपनी टेस्ला पावर को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक टेस्ला पावर को टेस्ला इंक से मिलता-जुलता ट्रेडमार्क उपयोग करने और ईवी प्रोडक्ट के साथ विज्ञापन देने से रोक दिया है। मामले में अगली सुनवाई 22 मई को होने वाली है।

देश के कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल-डीजल के भाव

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में शनिवार और रविवार को कामकाज नहीं होने से कच्चे तेल की कीमतें स्थिर हैं। भारत में हर दिन की तरह ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की नई कीमत जारी कर दी गई है।

हर रोज सुबह 6 बजे सरकारी तेल कंपनियां ईंधन के नए भाव जारी करती हैं। देश के कुछ राज्यों व शहरों में रे विवार को पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़े हैं जबकि कुछ प्रदेशों में कीमतें घटी हैं। बिहार, छत्तीसगढ़, केरल, कर्नाटक और महाराष्ट्र समेत कुछ राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतें मामूली रूप से बढ़ी हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, हरियाणा और झारखंड समेत कुछ प्रदेशों में भाव घटे हैं।

राजधानी दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 104.21 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 103.94 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 95.01 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 94.90 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर, जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 94.56 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर है।

कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में एक सप्ताह में भारी गिरावट

- बैंक ने एक दिन में गंवाए 40,000 करोड़

नई दिल्ली ।

कोटक महिंद्रा बैंक पर आरबीआई की कार्रवाई के बाद इसके शेयरों में जबरदस्त गिरावट देखने को मिली। 25 अप्रैल को कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर 10 फीसदी से ज्यादा गिर गए। इस वजह से महज एक दिन में बैंक का बाजार पूंजीकरण 40,000 करोड़ रुपये घट गया। बैंक के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि आरबीआई की कार्रवाई के बाद कोटक महिंद्रा बैंक वित्तीय प्रभाव की तुलना में हमारी प्रतिष्ठा पर पड़ने प्रभाव को लेकर अधिक चिंतित है। इस पूरे प्रकरण के बाद कोटक महिंद्रा बैंक के शेयरों की जोरदार पिटाई हुई। महज एक सप्ताह में बैंक के शेयर 13 फीसदी से ज्यादा गिर गए हैं। इससे बैंक ने बाजार में अपना मार्केट शेयर खोया है। कोटक महिंद्रा बैंक के अे धिकारी ने कहा कि आरबीआई की कार्रवाई का बैंक की फ्रेंचाइजी और प्रतिष्ठा पर प्रभाव पड़ा। हमारे क्रेडिट कार्ड और 811 बिजनेस पर असर पड़ेगा। कोटक महिंद्रा बैंक ने 4 मई को तिमाही नतीजे पेश करने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही।

दरअसल 24 अप्रैल को आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक को अपने ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग चैनलों के माध्यम से नए ग्राहकों को जोड़ने पर रोक लगा दी थी। इसके अलावा रिजर्व बैंक ने कोटक बैंक को नए क्रेडिट कार्ड जारी करने से भी मना कर दिया था। दरअसल आरबीआई ने पिछले दो वर्षों में बैंक की आईटी सिस्टम में कमियां पाई, लेकिन बैंक रिजर्व बैंक की इन चिंताओं को दूर करने में लगातार विफल रहा है। इसके बाद आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक के खिलाफ यह कार्रवाई की गई।

आईपीएल: मुम्बई पर जीत दर्ज करने उतरेगी सनराइजर्स

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस की टीम आईपीएल में सोमवार को अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेंगी। मुंबई पहले प्लेऑफ से बाहर हो गयी है। ऐसे में वह ये मैच जीत भी जाती है तो भी उसे कोई लाभ नहीं होगा। वह अंकतालिका में अभी सबसे नीचे है। वह अपने 11 में से 8 मुकाबले हारी है। इसलिए बचे हुए मुकाबले जीतकर भी वह बाहर ही रहेगी। दूसरी ओर हैदराबाद 10 में से 6 मुकाबले जीतने के साथ ही अंक तालिक में चौथे स्थान पर होने के कारण ये मैच जीतकर प्लेऑफ के लिए अपनी दावेदारी मजबूत करने उतरेगी। ऐसे में ये मुकाबला रोमांचक रहेगा।

मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के अनुकूल मानी जाती है। इस मैदान पर जमकर रन बनते हैं। मैदान छोटा होने के कारण चौके-छक्के भी खूब लगते हैं। ऐसे में हैदराबाद के बल्लेबाजों को रोकना मुम्बई के लिए आसान नहीं रहेगा। मुम्बई की ओर से वैसे भी जसप्रीत बुमराह के अलावा कोई अन्य गेंदबाज लय में नहीं है। इस मैदान पर स्पिनरों को इस पिच पर मदद जरूर मिलती है। मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में अब तक कुल 116 मुकाबले खेले गए हैं। इसमें से 53 पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम तो 63 दूसरे बल्लेबाजी करने वाली टीम ने जीते हैं। जो भी टीम मुंबई में टॉस जीतेगी वह पहले गेंदबाजी करने को देख सकती है। पहली पारी का औसत

स्कोर आईपीएल में वानखेड़े में 170 रन है। हैदराबाद के पास विस्फोटक बल्लेबाज हैं और टॉस जीतने पर वह एक बार फिर बड़ा स्कोर बनाकर भारी अंतर से जीत दर्ज करना चाहेगी। इस सत्र में मुम्बई के बल्लेबाजी और गेंदबाज प्रभावी नहीं रहे हैं। ऐसे में हैदराबाद ही जीत की प्रबल दावेदार है।

टीम

मुंबई इंडियंस- हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, गेराल्ड कोएट्जी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, इशान किशन, अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका, मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), नेहल वढेरा और ल्यूक वुड्।

सनराइजर्स हैदराबाद- अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन, एडेन मार्कराम, अब्दुल समद, नितीश रेड्डी, शाहबाज अहमद, पैट कमिंस (कप्तान), भुवनेश्वर कुमार, जयदेव उनादकट, टी नटराजन, मयंक मारकंडे, उमरान मलिक, अनमोलप्रीत सिंह , ग्लेन फिलिप्स, राहुल त्रिपाठी, वॉशिंगटन सुंदर, उपेन्द्र यादव, जथावेध सुब्रमण्यन, सनवीर सिंह, विजयकांत व्यासकांत, फजलहक फारूकी, मार्को यानसेन, आकाश महाराज सिंह और मयंक अग्रवाल।

मयंक आईपीएल से बाहर हुए: कोच लैंगर

मुंबई, (एजेंसी)। आईपीएल 2024 के इस सत्र में अपनी सबसे तेज गेंदों के कारण आकर्षण का केन्द्र बने युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव बचे हुए मैचों से बाहर हो गये हैं। मयंक अभी तक अपनी चोट से नहीं उबरें हैं। मयंक का बाहर होना उनकी टीम लखनऊ सुपर जॉयंट्स के लिए एक बड़ा झटका है। सुपर जॉयंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने भी कहा है कि अब मयंक इस सत्र में आगे नहीं खेल पायेंगे। मयंक पेट के निचले हिस्से की मांसपेशी में चोट के कारण इस सत्र से बाहर हुए हैं। उन्होंने इस आईपीएल में अपनी तेज गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है। इस सत्र में उन्होंने 4 मैच में 7 विकेट लिए। अपने पहले दोनो मैचों में वह प्लेयर ऑफ द मैच भी रहे। .

सुपर जॉयंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा, 'हम उम्मीद करेंगे कि वह आगे प्लेऑफ में खेल पाये पर उन्हें ऐसा होता हुआ नहीं दिखता। ' आईपीएल में रिकार्ड 155 की रफ्तार से गेंदबाजी करने वाले मयंक तीसरे और चौथे मैचों में अपने चार ओवर का कोटा भी पूरा नहीं कर सके थे। वहीं लैंगर ने कहा, 'मयंक का स्कैन कराया गया है और उसे उसी जगह पर चोट लगी जहां पहले लगी थी। यह दुर्भाग्यपूर्ण है, उसे बुमराह ने बताया कि चोटें तेज गेंदबाज के करियर का हिस्सा होती हैं।' मयंक ने 30 मार्च को एलएसजी की ओर से आईपीएल में अपना पहला मैच खेला था। इसमें उन्होंने 155 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी की थी।

चीन ने 16वीं बार उबेर कप जीता, फाइनल में इंडोनेशिया को 3-0 से हराया

चेंगडू (एजेंसी) । चीन ने रविवार को यहां अपनी बादशाहत जारी रखते हुए इंडोनेशिया को हराकर 16वीं बार उबेर कप अपने नाम किया। चीन दो साल पहले बैंकॉक में दक्षिण कोरिया से फाइनल में हार गया था। उसने रविवार को इंडोनेशिया को 3-0 से हराकर खिताब जीता। इंडोनेशिया 2008 के बाद पहला उबेर कप फाइनल खेल रहा था। चीन के लिए ओलंपिक चैम्पियन चेन यु फेई ने ग्रेगोरिया मारिस्का टुनजंग को 21-7, 21-16 से हराकर शानदार शुरूआत की।

इसके बाद चेन किंग चेन और जिया यि फान की दुनिया की नंबर एक जोड़ी ने सिटी फादिया सिल्वा रामाधंती और रिब्का सुगियार्तो को 21-11, 21-8 से हराकर बढ़त 2-0 कर दी। युवा एस्टर नुरूमी ने इंडोनेशिया के लिये कड़ी चुनौती पेश की लेकिन चीन की ही बिंग जियाओ ने उबरते हुए 10-21, 21-15, 21-17 से जीत हासिल ली। चीन ने 16वीं बार उबेर कप जीत लिया।

रविंद्र जड़ेजा का ऑलराउंड प्रदर्शन, चेन्नई ने पंजाब को हराया

धर्मशाला (एजेंसी)। रविंद्र जडेजा के ऑलराउंड प्रदर्शन की बदौलत चेन्नई सुपर किंग्स ने धर्मशाला में खेले गए आईपीएल 2024 के 53वें मैच में जीत दर्ज की। जडेजा ने पहले बल्लेबाजी के दौरान 26 गेंदों पर 3 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 43 रन के बाद 20 रन देकर 3 विकेट झटके। चेन्नई ने टॉस हारने के बाद पंजाब को 168 रन का लक्ष्य दिया जिसके जवाब में पंजाब की टीम 139 रन ही बना सकी।

शानदार लय में चल रहे कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 21 गेंद में 32 जबकि डेरिल मिचेल ने 19 गेंद में 30 रन का योगदान दिया। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 32 गेंद में 57 रन की साझेदारी की। अर्शदीप ने पारी के दूसरे ओवर में अजिंक्य रहाणे (नौ) को आउट कर सीएसके को पहला झटका दिया। क्रीज पर आये डेरिल मिचेल ने इस गेंदबाज के अगले ओवर में चौका और छक्का लगाकर हाथ खोला तो वहीं कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने हरप्रीत बराड़ के खिलाफ छठे ओवर में लगातार गेंदों पर छक्का और दो चौके जड़े। मिचेल ने ओवर की आखिरी गेंद को बाउंड्री पार पहुंचाया। इस ओवर से 19 रन बटोर कर सीएसके ने पावरप्ले में एक विकेट पर 60 रन बना लिये। आठवें ओवर में गेंदबाजी के लिए आये चाहर ने अपनी शुरुआती दो गेंदों पर गायकवाड़ और शिवम दुबे (शून्य) को पवेलियन की राह दिखाई। दोनो का कैच विकेटकीपर जितेश शर्मा ने पकड़ा।

दुबे लगातार दूसरी बार खाता खोले बगैर आउट हुए। अगले ओवर में हर्षल पटेल ने मचेल को पगबाधा

कर सीएसके को दो ओवर के अंदर तीसरा झटका दिया। जडेजा और मोईन अली ने इसके बाद पारी को संवारने की कोशिश की। क्रीज पर कुछ समय बिताने के बाद जडेजा ने हर्षल तो वही मोईन ने रबाडा के ओवर में दो-दो चौके लगाये। यह जोड़ी खतरनाक होती उससे पहले ही कप्तान सैम कुरेन ने धीमी गेंद पर मोईन को फंसा कर उनकी 20 गेंद में 17 रन की पारी को खत्म किया। कम होती रनगति को बढ़ाने की कोशिश में मिचेल सेंटनर (11) चाहर की गेंद को लांगआन पर खड़े कुरेन के हाथों में खेल गए।

शारदुल ठाकुर (17) ने कुरेन पर चौके के साथ खाता खोला अगली गेंद पर शशांक सिंह ने शारदुल को जीवनदान दिया जब आसान दिख रही कैच उनके हाथ से टकराकर छह रनों के लिए चली गयी। उन्होंने 18वें ओवर में चाहर के खिलाफ चौका जबकि जडेजा ने छक्का लगाया । अगले ओवर में हर्षल ने सिर्फ दो रन खर्च करते हुए लगातार गेंदों पर शारदुल और महेंद्र सिंह धोनी (शून्य) को बोल्ड कर सीएसके के प्रशंसकों को निराश किया। जडेजा ने अंतिम ओवर में आउट होने से पहले अर्शदीप के खिलाफ चौका और छक्का लगाकर टीम के स्कोर को 160 के पार पहुंचाया।

धोनी को आऊट कर 'धन्य' हुए हर्षल पटेल, बोले- मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं

धर्मशाला । धर्मशाला के मैदान पर 12 साल बाद आईपीएल मुकाबला खेलने आए धोनी पहली ही गेंद पर आऊट होकर सबको निराश कर गए। धोनी पंजाब किंग्स के खिलाफ 19वें ओवर में खेलने आए थे। उम्मीद थी कि वह आकर्षक शॉट लगाएंगे लेकिन पंजाब के तेज गेंदबाज हर्षल पटेल की एक धीमी गेंद उनका विकेट ले उड़ी। धोनी के आऊट होने के बाद धर्मशाला स्टेडियम में सन्नाटा सा छा गया। बता दें कि धोनी का बल्ला तेज गेंदबाज हर्षल पटेल के खिलाफ चलता नहीं है। आंकड़े देखें जाएं तो वह अब तक हर्षल की 33 गेंदें खेलकर सिर्फ 25 ही रन बना पाए हैं। इस दौरान वह उनसे तीन बार आऊट भी हुए। हर्षल पटेल ने पहली पारी खत्म होने के बाद कहा कि जब मैं उन्हें (धोनी पर) आउट करता हूं तो ज्यादा जश्न नहीं मनाता क्योंकि मेरे मन में उनके प्रति बहुत सम्मान है। एक दिन का खेल खेलने का एक फायदा यह है कि स्क्वायर काफी उबड़-खाबड़ होता है। तो गेंद रिवर्स होने लगती है। मेरे पहले ओवर में स्थिति उलट रही थी। यह सब उस डिलीवरी (धीमी डिलीवरी) के अनुभव के बारे में है। आप जितनी अधिक गेंदबाजी करेंगे आप उतने ही बेहतर होंगे। अधिकांश बल्लेबाज़ इसे नहीं चुनते। मैं अभी नेट्स में इसका अभ्यास कर रहा हूं और जब यह बाहर आता है तो यह आपको शानदार परिणाम देता है।

आत्मविश्वास और कभी हार नहीं मानने का रवैया सिराज की असली ताकत : गावस्कर

बेंगलुरु : महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने यहां इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटंस पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की चार विकेट से जीत के बाद कहा कि मोहम्मद सिराज का आत्मविश्वास और कभी हार नहीं मानने वाला रवैया उनकी असली ताकत है। पावरप्ले में सिराज ने दो विकेट चटकाते हुए शुभमन गिल और रिद्धिमान साहा को पवेलियन भेजा जिससे टाइटंस की टीम शनिवार को 19.3 ओवर में सिर्फ 147 रन ढेर हो गई। गावस्कर ने कहा, 'हर बार जब आप मोहम्मद सिराज को देखते हैं, तो आप जानते हैं कि वह अपनी जान लगा देगा। उस समय को याद करें जब उसके पिता का निधन हो गया था, जब वह ऑस्ट्रेलिया में था। वह खेलता रहा।' उन्होंने कहा, 'बहुत से लोग वापस जाना चाहेंगे क्योंकि आपके माता-पिता आपको बहुत प्यारे होते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि उसे अहसास हुआ कि भारत के लिए खेलना महत्वपूर्ण था। इसके अलावा, उस स्तर पर उसकी जगह पक्की नहीं थी। एक स्थापित खिलाड़ी शत प्रतिशत चला गया होता।' गावस्कर ने कहा, 'और याद रखें कि उन्होंने उस गाबा टेस्ट मैच में कितनी शानदार गेंदबाजी की थी। स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ी को आउट करना, जब वह 55 रन पर था... तो यह मोहम्मद सिराज की असली ताकत है, आत्मविश्वास और मैदान पर कभी हार नहीं मानने वाला रवैया।'

महिला टी20 विश्व कप का शैड्यूल आया सामने, पाकिस्तान से मुकाबला इस तारीख को

दुबई (एजेंसी)। भारत को इस साल तीन से 20 अक्टूबर तक बांग्लादेश में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए रविवार को गत चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के साथ ग्रुप ए में जगह मिली। भारत के सभी ग्रुप मैच सिलहट में खेले जाएंगे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद द्वारा घोषित 9वें महिला टी20 विश्व कप के कार्यक्रम के अनुसार भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ करेगी जबकि 6 अक्टूबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी। भारतीय टीम तीसरा मैच 9 अक्टूबर को पहले क्वालीफायर से खेलेगी जिसका अभी फैसला नहीं हुआ है।

टीम को अपना अंतिम ग्रुप मैच 13 अक्टूबर को छह बार के विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। आईसीसी ने

अपनी वेबसाइट पर लिखा कि टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी और प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष दो टीमें 20 अक्टूबर को ढाका में होने वाले फाइनल से पहले 17 और 18 अक्टूबर को होने वाले सेमीफाइनल मुकाबलों में जगह बनाएंगी। आईसीसी ने बताया कि ढाका और सिलहट में 19 दिन में कुल मिलाकर 23 मैच खेले जाएंगे, जरूरत पड़ने पर सेमीफाइनल और फाइनल दोनों के लिए रिजर्व दिन रखे गए हैं।

मेजबान बांग्लादेश को ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और दूसरे क्वालीफायर के साथ रखा गया है। आज क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाने वाली दो टीम तय होने के साथ मुख्य टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली 2 टीम का फैसला होगा। आयरलैंड, यूएई, श्रीलंका और स्कॉटलैंड मुख्य टूर्नामेंट में जगह बनाने की दौड़ में हैं। आयरलैंड की टीम आज पहले सेमीफाइनल में स्कॉटलैंड से खेलेगी जबकि दूसरा सेमीफाइनल भी आज ही होगा जिसमें यूएई की भिड़ंत श्रीलंका से होगी। दोनों सेमीफाइनल अबु धाबी के सेख जायेद स्टेडियम में खेले जाएंगे।

फिंच और स्मिथ बोले , हताश दिखे मुम्बई के कप्तान पंड्या

मुम्बई । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एरोन फिंच ने कहा है कि आईपीएल में मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पंड्या थके हुए और नराश नजर आये। टूर्नामेंट में उनके चेहरे पर उदासी का भाव दिखा। इसके साथ ही उन्हें इस सत्र में हूटिंग का भी सामना करना पड़ा जिससे भी उनका मनोबल गिरा है। फिंच के अलावा दक्षिण अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ का भी यही मानना है। फिंच के अनुसार कप्तान के दबाव में होने के कारण टीम भी संघर्ष करती दिखी। टीम को यहां अपने घरेलू मैदान पर भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के हाथों 24 रनों से हार का सामना करना पड़ा। फिंच ने कहा, ' पंड्या इस सत्र में काफी निराश और थे हुए दिखे। ऐसा लग रहा था जैसे वह काफी दबाव में हों। साथ ही कहा कि मैंने भी इस प्रकार के हालातों का सामना किया है। इन हालातों में आप निजी तौर पर कुछ भी कोशिश करो पर लाभ नहीं होता। साथ कहा कि जब टीम अच्छा नहीं कर रही होती तो ऐसी स्थिति में रहना बहुत कठिन होता है क्योंकि आप पर टीम के प्रदर्शन की पूरी जिम्मेदारी होती है। ' वहीं स्मिथ ने कहा कि मुंबई इंडियंस ने पंड्या की कप्तानी में काफी बदलाव किये और वह भ्रम में नजर आयी। उन्होंने कहा, ' हार्दिक मैच में स्वयं बेहतर प्रदर्शन नहीं रक पाने के कारण दबाव में दिखे। उनकी बल्लेबाजी भी अच्छी नहीं रही। गेंदबजी भी वह अधिक नहीं कर पाये। युवा तिलक वर्मा और नमन धीर मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये। धीर तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे थे जबकि हार्दिक किसी भी नंबर पर आ रहे थे जबकि उन्हें पूरे सत्र में तिलक को तीसरे, सूर्यकुमार यादव को चौथे और स्वयं पांचवे नंबर पर उतरना चाहिये था। ' वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान शेन वॉटसन ने भी कहा कि पंड्या ने कप्तान के तौर पर सही फैसले नहं लिये। केकेआर की जब आधी टीम 57 रन पर पेवेलियन लौट गयी थी तब भी मुम्बई ने अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को नहीं उतारा जबकि तब उसके जसप्रीत बुमराह से गेंदबाजी करानी चाहिये थी।

चहल, जडेजा, अश्विन, मिश्रा की गेंदों पर पड़े सबसे ज्यादा छक्के

नई दिल्ली। भारत में आईपीएल प्रीमियम लीग की शुरुआत 2008 में हुई थी। इस लीग का 17वां सीजन अभी खेला जा रहा है। इस आईपीएल में बल्लेबाजों का दबदबा ज्यादा है। पिच भी वैसी होती है जहां आसानी से छक्के चौके लग जाते हैं। गेंदबाज मैच के दौरान बैकफुट पर ही रहते हैं। बल्लेबाज जब चाहता है छक्के लगा देता है। इस आईपीएल में ऐसे गेंदबाज हैं जिनकी गेंदों पर सबसे ज्यादा छक्के लगे हैं। युजवेंद्र चहल आईपीएल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। अब छक्का के मामले में भी वह जल्द ही टॉप पर पहुंच सकते हैं। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम पर अपने आईपीएल करियर के आधे से ज्यादा मैच खेलने वाले चहल की 3401 गेंदों पर 213 छक्के लगे हैं। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स के रविंद्र जडेजा जिन्होंने आईपीएल लीग में राजस्थान रॉयल्स के लिए 2008 में डेब्यू किया था। जडेजा लीग के सबसे सफल बाएं हाथ के गेंदबाज हैं। लेकिन इस आईपीएल में सबसे ज्यादा छक्के बाएं हाथ के गेंदबाज रविंद्र जडेजा के नाम ही है। उनकी 3751 गेंदों पर 201 छक्के लगे हैं।

बजरंग अस्थायी रूप से निलंबित, डब्ल्यूएफआई ने नाडा पर अंधेरे में रखने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजरंग पुनिया को हाल ही में राष्ट्रीय ट्रायल के दौरान डोप टेस्ट के लिए अपना नमूना देने से इनकार करने पर अस्थाई तौर पर निलंबित कर दिया गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) इस मामले में राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा उसे 'अंधेरे में' रखने का आरोप लगाते हुए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) से शिकायत करने की योजना बना रहा है।

बजरंग को 23 अप्रैल को नाडा ने अस्थायी निलंबन सौंपा था। उन्हें आगे की अनुशासनात्मक कार्रवाई से बचने के लिए सात मई तक अपना जवाब भेजने को कहा गया था। बिश्केक में एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर के लिए पुरुषों की राष्ट्रीय टीम चुनने के लिए ट्रायल 10 मार्च को सोनीपत में आयोजित किया गया था और बजरंग अपना मुकाबला हारने के बाद मूत्र का नमूना दिए बिना ही प्रतियोगिता स्थल से चले गए थे।

बजरंग ने अपने निलंबन पर कहा कि उन्होंने कभी भी नाडा अधिकारियों को अपना नमूना देने से इनकार नहीं किया। उन्होंने नाडा पर 'एक्सपायर हो चुकी किट' देने का आरोप लगाते हुए 'एक्स' पर लिखा, 'मेरे बारे में जो डोप टेस्ट के लिए खबर आ रही है उसके लिए मैं स्पष्ट करना चाहता हूं। मैंने कभी भी नाडा अधिकारियों को नमूना देने से इनकार नहीं किया, मैंने उनसे अनुरोध किया कि वे मुझे जवाब दें कि वे पहले मेरा नमूना लेने के लिए जो 'एक्सपायर किट' लाए थे, उस पर उन्होंने क्या कदम उठाए या क्या कार्रवाई की उसका जवाब दे दीजिए और फिर मेरा डोप टेस्ट ले लीजिए।' उन्होंने कहा, 'मेरे वकील विदुष सिंघानिया इस पत्र का जवाब समय अनुसार देंगे।'

बजरंग अगर तय समय में अपना जवाब देने में असफल रहते हैं तो वह पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन की दौड़ से बाहर हो जाएंगे। इस बीच डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने आश्चर्य व्यक्त किया कि नाडा ने उन्हें बजरंग के निलंबन के बारे में सूचित नहीं किया। संजय ने कहा, 'यह वास्तव में आश्चर्यजनक है कि नाडा ने बजरंग को निलंबित करते समय हमें सूचित नहीं किया। मैंने 25 अप्रैल को नाडा महानिदेशक और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी और उस बैठक में यह मामला नहीं उठाया गया था।'

उन्होंने कहा, 'वे रहने के स्थान संबंधी शर्तों, लंबी सूची (पेरिस ओलंपिक के लिए संभावित दावेदार) आदि जैसे मामलों पर हमारे साथ संवाद करते रहते हैं। यहां तक कि हमने हाल ही में हुए फेडरेशन कप के बारे में भी चर्चा की, जहां उन्होंने विजेताओं से नमूने इकट्ठा करने के लिए अधिकारियों को भेजा था।' उन्होंने कहा, 'उन्होंने हमें बजरंग पुनिया के निलंबन के बारे में नहीं बताया। मैंने आज सुबह नाडा अधिकारियों को फोन किया और उनके पास मेरे प्रश्न का कोई जवाब नहीं था। अब मैं नाडा को पत्र लिखने और वाडा को इस बारे में सूचित करने की योजना बना रहा हूं।'

इससे पहले ऐसी खबरें आयी थी कि विनेश

फोगाट ने भी पटियाला में महिलाओं के 50 किग्रा का ट्रायल जीतने के बाद शुरू में अपना नमूना देने से इनकार कर दिया था। संजय ने कहा, 'हमें किसी ने भी यह नहीं बताया कि ट्रायल (सोनीपत और पटियाला में) के बाद किसके नमूने लिए गए थे और उन नमूनों से क्या निकला। जरा कल्पना करें कि अगर बजरंग फेडरेशन कप में प्रतिस्पर्धा करने आए होते तो हमने उन्हें अनुमति दे दी होती क्योंकि हमारे पास कोई जानकारी नहीं थी कि उन्हें निलंबित कर दिया गया है।'

ओलंपिक के लिए विश्व क्वालीफायर्स का आयोजन नौ मई से तुर्किये में होगा। भारतीय पहलवानों के लिए पेरिस खेलों का कोटा हासिल करने का यह आखिरी मौका होगा। भारत की चार महिला पहलवानों ने अब तक ओलंपिक कोटा हासिल किए है। इसमें विनेश (50 किग्रा) अंतिम पंघाल (53 किग्रा) अंशु मलिक (57 किग्रा) और रितिका हुड्डा (76 किग्रा) का नाम शामिल है।

भारत की पुरुष 4×400 मीटर टीम विश्व रिले की हीट को पूरा करने में नाकाम

नासाउ। दूसरे चरण के धावक राजेश रमेश के पैर में जकड़न के कारण बाहर होने से भारतीय पुरुष चार गुणा 400 मीटर रिले टीम पेरिस ओलंपिक क्वालीफिकेशन के पहले दौर के दौरान रविवार को यहां विश्व एथलेटिक्स रिले में अपनी हीट (शुरुआती दौर की रेस) पूरी करने में विफल रही। मोहम्मद अनस याहिया, राजेश रमेश, मोहम्मद अजमल और अमोज जैकब की भारतीय चौकड़ी हीट नंबर चार में शीर्ष दो में रहकर पेरिस का टिकट पक्का करने की उम्मीद कर रही थी लेकिन रमेश ने अपना बायां पैर पकड़कर लड़खड़ाते हुए रेस बीच में ही छोड़ दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रुद्राभिषेक
मोक्ष प्राप्ति का साधन

भोलेनाथ अपने नाम के अनुरुप बहुत भोले हैं। भगवान शिव एक लोटा जल से भी प्रसन्न होकर अपने भक्तों के सारे कष्ट हर लेते हैं। शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से व्यक्ति की सारी मनोकामनाएं पूर्ण होती है। वहीं रुद्राभिषेक करने से व्यक्ति की कुंडली से पातक कर्म एवं महापातक भी जलकर भस्म हो जाते हैं। कहा जाता है कि भगवान शिव के पूजन से सभी देवताओं की पूजा स्वत: हो जाती है। हमारे शास्त्रों में विविध कामनाओं की पूर्ति के लिए रुद्राभिषेक के पूजन के निमि अनेक द्रव्यों तथा पूजन सामग्री को बताया गया है। विशेष अवसर पर या सोमवार, प्रदोष और शिवरात्रि आदि पर्व के दिनों में मंत्र, गोदुग्ध या अन्य दूध मिलाकर अथवा केवल दूध से भी अभिषेक किया जाता है। विशेष पूजा में दूध, दही, घृत, शहद और चीनी से अलग-अलग अथवा सबको मिलाकर पंचामृत से भी अभिषेक किया जाता है। इस प्रकार विविध द्रव्यों से शिवलिंग का विधिवत अभिषेक करने पर अभीष्ट कामना की पूर्ति होती है। वहीं रुद्राभिषेक से कालसर्प योग, गृहलेश, व्यापार में नुकसान, शिक्षा में रुकावट सभी कार्यों की बाधाएं भी दूर होती हैं।

भगवान शिव के रुद्राभिषेक के लाभ

- शिवलिंग का जलाभिषेक करने से वर्षा होती है। कुशोदक अर्थात ऐसा जल जिसमें कुश घास की पत्तियां छोड़ी गई हों से रुद्राभिषेक करें। इससे असाध्य रोगों से मुक्ति मिलती है।
- दही से रुद्राभिषेक करने से भवन-वाहन की प्राप्ति होती है।
- शिवलिंग पर गन्ने के रस से अभिषेक करने पर अपार लक्ष्मी मिलती है।
- शहद व घी से शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से धन में वृद्धि होती है।
- तीर्थ के जल से शिवलिंग पर रुद्राभिषेक करने से मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- रोगों से मुक्ति हेतु इत्र से अभिषेक करने से लाभ होता है।
- दूध से रुद्राभिषेक करने से पुत्र रत्न की प्राप्ति होती है।
- शीतल जल या गंगा जल से रुद्राभिषेक करने से ज्वर से शांति मिलती है।
- सहस्रनाम-मंत्रों का उच्चारण करते हुए घृत की धारा से रुद्राभिषेक करने पर वंश का विस्तार होता है।
- दूध में शक्कर मिलाकर रुद्राभिषेक करने के मंदबुद्धि भी विद्वान हो जाता है।
- शत्रुओं से परेशान हैं तो सरसों के तेल से शिवलिंग पर अभिषेक करने से दुश्मन पराजित होंगे।

उाराखंड का एक शहर हरिद्वार जहां लगता है विश्व प्रसिद्ध कुंभ मेला। गंगा के तट पर बसा यह नगर बहुत ही खूबसूरत और प्राकृतिक छटा से परिपूर्ण है। हरिद्वार के संबंध में रोचक बातें।

कुंभ नगरी हरिद्वार के बारे में रोचक बाते

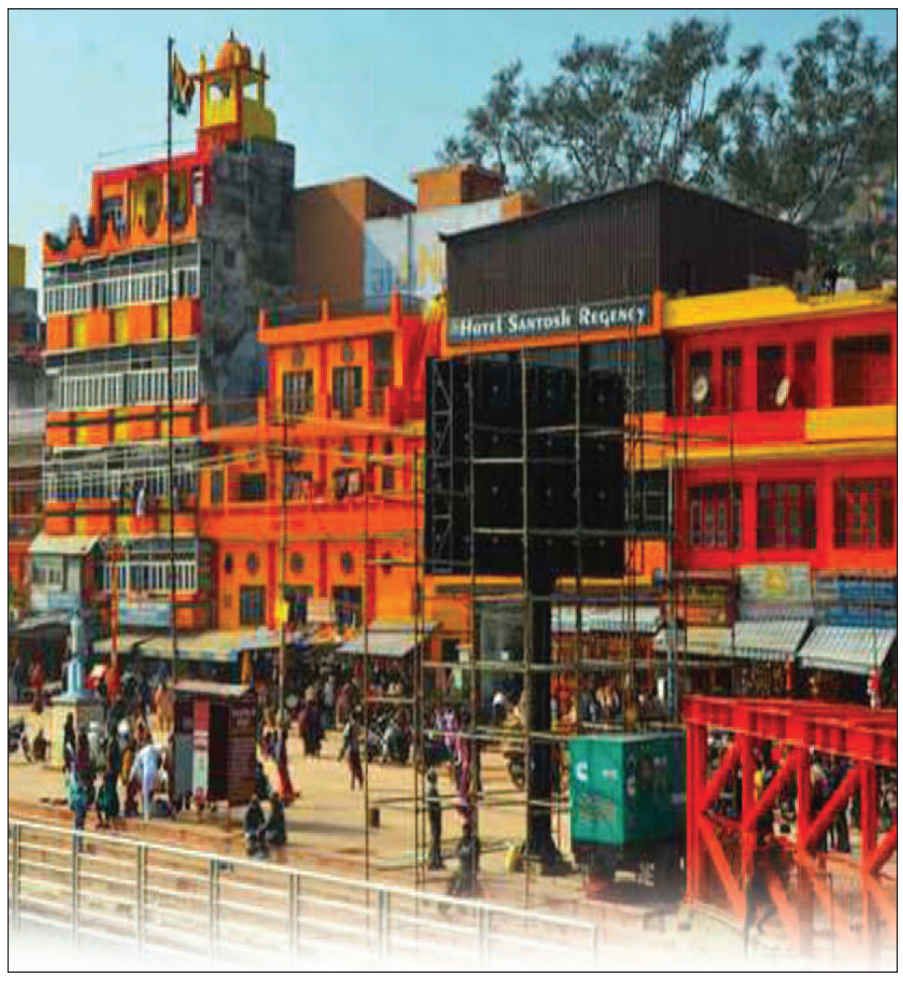

- हरिद्वार का प्राचीन नाम है मायानगर या मायापुरी। हरिद्वार अर्थात हरि के घर का द्वार। इस गंगा द्वार भी कहते हैं। गंगा हरि के घर से निकलकर यहां मैदानी इलाके में पहुंचती है। हरि अर्थात बद्रीनाथ विष्णु भगवान जो पहाड़ों पर स्थित है। हरिद्वार का एक भाग आज भी 'मायापुरी' नाम से प्रसिद्ध है।
- हरिद्वार को भारत की सात प्राचीन नगरियों में से एक माना जाता है। पुराणों में इसकी सप्त मोक्षदायिनी पुरियों में गणना की जाती थी।
- हरिद्वार गंगा के पावन तट पर बसा है। कहा जाता है समुद्र मंथन से प्राप्त किया गया अमृत यहाँ हरिद्वार के हर की पैड़ी स्थान पर गिरा था। इसीलिए यहां पर कुंभ पर्व का आयोजन होता है।
- हरिद्वार को 3 देवताओं ने अपनी उपस्थिति से पवित्र किया है ब्रह्मा, विष्णु और महेश। गंगा के उत्तरी भाग में बसे हुए 'बदरीनारायण' तथा 'केदारनाथ' नामक भगवान विष्णु और शिव के पवित्र तीर्थों के लिए इसी स्थान से आगे मार्ग जाता है। इसीलिए इसे 'हरिद्वार' तथा 'हरद्वार' दोनों ही नामों से पुकारा जाता है। वास्तव में इसका नाम 'गेटवे ऑफ द गॉड्स' है।
- कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने हर की पैड़ी के ऊपरी दीवार में पत्थर पर अपना पैर प्रिंट किया है, जहां पवित्र गंगा हर समय उसे छूती है।
- कनखल हरिद्वार का सबसे प्राचीन स्थान है। इसका उल्लेख पुराणों में मिलता है। यह स्थान हरिद्वार से लगभग 35 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। वर्तमान में कनखल हरिद्वार की उपनगरी के रूप में जाना जाता है। कनखल का इतिहास महाभारत और भगवान शिव से जुड़ा हुआ है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कनखल ही वो जगह है जहां राजा दक्ष ने प्रसिद्ध यज्ञ किया था और सती ने अपने पिता द्वारा भगवान शिव का अपमान करने पर उस यज्ञ में खुद को दाह कर लिया था।
- हरिद्वार को पंचपुरी भी कहा जाता है। पंचपुरी में मायादेवी मंदिर के आसपास के 5 छोटे नगर समिलित हैं। कनखल उनमें से ही एक है।
- हरिद्वार में शांतिकुंभ स्थान पर विश्वामित्र ने घोर तप किया था तो दूसरी ओर सप्तऋषि आश्रम में सप्तऋषियों ने तपस्या की थी। यह स्थान कई ऋषि और मुनियों की तपोभूमि रहा है। इसके अलावा श्रीराम के भाई लक्ष्मण जी ने हरिद्वार में जूट की रस्सियों के सहारे नदी को पार किया था, जिसे आज लक्ष्मण झुला कहा जाता है। कपिल मुनि ने भी यहां तपस्या की थी। इसलिए इस स्थान को कपिलास्थान भी कहा जाता है। कहते हैं कि राजा श्वेत ने हर की पौड़ी पर भगवान ब्रह्मा की तपस्या की थी। राजा की भति से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने जब वरदान मांगने को कहा तो राजा ने वरदान मांगा कि इस स्थान को ईश्वर के नाम से जाना जाए। तब से हर की पौड़ी के जल को ब्रह्मकुण्ड के नाम से भी जाना जाने लगा।
- यहां शक्ति त्रिकोण है। शति त्रिकोण अर्थात पहला मनसा देवी का खास स्थान, दूसरा चंडी देवी मंदिर और तीसरा माता सती का शक्तिपीठ जिसे मायादेवी शक्तिपीठ कहते हैं। यहां माता सती का हृदय और नाभि गिरे थे। माया देवी को हरिद्वार की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है।
- हरिद्वार में ही विश्व प्रसिद्ध गंगा आरती होती है। हरिद्वार की तर्ज पर बाद में गंगा आरती का आयोजन ऋषिकेश, वाराणसी, प्रयाग और चित्रकूट में भी होने लगा। हरिद्वार की गंगा आरती को देखते हुए 1991 में वाराणसी में दशाश्वमेध घाट पर प्रारंभ हुई थी।

वास्तु दोषों का निवारण करती है गाय

वास्तु के अनुसार अगर भवन, घर का निर्माण करना हो यदि वहां पर बछड़े वाली गाय को लाकर बांधा जाए तो वहां संभावित वास्तु दोषों का स्वत: निवारण हो जाता है। वह कार्य निर्विघ्न पूरा होता है और समापन तक आर्थिक बाधाएं नहीं आतीं। गाय के रूप में पृथ्वी की करुण पुकार और विष्णु से अवतार के लिए निवेदन के प्रसंग बहुत प्रसिद्ध हैं। 'समरांगण सूत्रधार' जैसा प्रसिद्ध वृहद् वास्तु ग्रंथ गो रूप में पृथ्वी-ब्रह्दि के समागम-संवाद से ही आरंभ होता है। वास्तुग्रंथ 'मयमतम' में कहा गया है कि भवन निर्माण का शुभारंभ करने से पूर्व उस भूमि पर ऐसी गाय को लाकर बांधना चाहिए जो सवत्सा या बछड़े वाली हो।

शास्त्रों में लिखा हैं की जब नवजात बछड़े को जब गाय दुलारकर चाटती है तो उसका फेन भूमि पर गिरकर उसे पवित्र बनाता है और वहां होने वाले समस्त दोषों का निवारण हो जाता है। यही मान्यता वास्तुप्रदीप, अपराजितपृच्छा आदि में भी आई है। महाभारत के अनुशासन पर्व में कहा गया है कि गाय जहां बैठकर निर्भयतापूर्वक सांस लेती है, उस स्थान के सारे पापों को खींच लेती है

निविष्ट गोकुलं यत्र श्वांस मुंचति निर्भयम।
विराजयति तं देशं पापं चास्याप कर्षति॥

यह भी कहा गया है कि जिस घर में गाय की सेवा हो, वहां पुत्र-पौत्र, धन, विद्या, सुखादि जो भी चाहिए, मिल सकता है। यही मान्यता अत्रिसंहिता में भी आई है। अत्रि ने तो यह भी कहा है कि जिस घर में सवत्सा धेनु नहीं हो, उसका मंगल-मांगल्य कैसे होगा? गाय का घर में पालन करना बहुत लाभकारी है। ऐसे घरों में सर्वबाधाओं और विघ्नों का निवारण हो जाता है। जिस घर में गाय रहती है उसमें रहने वाले बच्चों में भय नहीं रहता। विष्णु पुराण में कहा गया है कि जब श्रीकृष्ण पूतना के दुग्धपान से डर गए तो नंद दंपती ने गाय की पूंछ घुमाकर उनकी नजर उतारी और भय का निवारण किया। सवत्सा गाय के शकुन लेकर जाने से कार्य सिद्ध होता है। पद्मपुराण, और कूर्मपुराण में कहा गया है कि कभी गाय को लांघकर नहीं जाना चाहिए। किसी भी साक्षात्कार, उच्च अधिकारी से भेंट आदि के लिए जाते समय गाय के रंभाने की ध्वनि कान में पड़ना शुभ है। संतान लाभ के लिए घर में गाय की सेवा अच्छा उपाय कहा गया है। शिवपुराण व स्कंदपुराण में कहा गया है कि गो सेवा और गोदान से यम का भय नहीं रहता। गाय के पांव की धूली का भी अपना महत्व है। यह पाप विनाशक है, ऐसा गरुड़पुराण और पद्मपुराण का मत है।

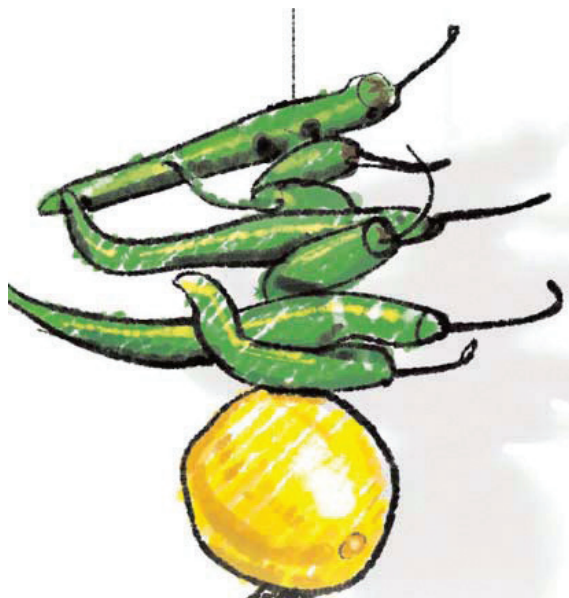

पाखंड और अंधविश्वास से बचा सकती है ऐसी सोच

आप किसी भी शहर में हों, आपको सुनने को मिलेगा कि कोई अलौकिक बाबा, योगपुरुष या फकीर का आगमन इस शहर में हो रहा है। उनके दर्शन या स्पर्श मात्र से असाध्य से असाध्य बीमारियां पलक झपकते ही गायब हो जाती हैं। इच्छुक व्यक्ति के मिलने के लिए बाबाओं के सारे अते-पते के पैंफ्लेट शहर की दीवारों पर चिपके मिलते हैं। बाबाओं को मालूम है कि हमारे यहां समस्याग्रस्त लोगों की कमी नहीं है। एक ढूंढो, लाख मिल जाते हैं। एक बार मैं भी आजमाने के खयाल से मुंबई में एक बाबा से मिलने चला गया। लेकिन वह मुझसे नाराज इसलिए हो गए क्योंकि मैंने उन्हीं की बात को दोहराते हुए कह दिया कि जब ईश्वरीय इच्छा से सब कुछ होना है तो फिर लोग आपके पास क्यों आएं वे खुद भगवान से अपने अच्छे दिन के लिए प्रार्थना करेंगे। अनेक असाध्य रोगियों से उन्हें कहते हुए सुना कि यह केस वे नहीं ले सकते क्योंकि ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध जाना होगा। इसका सीधा मतलब है कि उनका पाखंड जहां चल जाता है, वे वहां अपना धंधा करने में कामयाब हो जाते हैं। असाध्य रोगियों पर ईश्वर की इच्छा लाद देते हैं। यह सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि हमारे देश में होने वाली घटनाओं की लंबी शृंखला की एक कड़ी है। कहीं भभूति, कहीं स्पर्श मात्र से तो कहीं मंत्र से शुद्ध किया हुआ पानी पिलाने से समस्याओं और रोगों को ठीक करने की गारंटी कब से दी जाती रही है। आजकल योग-ध्यान का विज्ञापन भी इसी सस्ती भूमिका पर उतर आया है। कोई यह सोचने के लिए तैयार नहीं है कि भारत में जब इतने महात्मा, बाबा और योगीजन बीमारियों से मुक्त करने का दावा कर रहे हैं तो बड़े-बड़े अस्पतालों, डाक्टरों और इन पर होने वाले भारी भरकम खर्च की या जरूरत है लेकिन जब हम इनके जीवन के भीतर झांकते हैं तो तस्वीर का एक दूसरा बड़ा ही दयनीय और निराशाजनक पहलू सामने आता है। दूसरों को रोगमुत करने वाला खुद डॉक्टरों की शरण में होता है। आज शरीर-शास्त्री तथा चिकित्सा-विज्ञान के पंडित इस तथ्य से सहमत हैं कि अधिकांश रोगों का कारण हमारा मन है। मानसिक आवेग और उद्वेग बहुत प्रकार के रोगों को जन्म देते हैं। कुछ रोग आज के व्यस्तता बहुल वातावरण से उत्पन्न दबावों और तनावों की वजह से होते हैं। ये रोग मनोवैज्ञानिक हैं, इसलिए इनका इलाज भी उसी भूमिका पर होना आवश्यक होता है। इसी का फायदा बाबा उठा लेते हैं। आस्थाशील लोग एक मनो-विभ्रम से निकलकर दूसरे मनो-विभ्रम में पड़ जाते हैं। चूंकि यह सुखद विभ्रम होता है इसलिए साधारण आदमी के लिए यह चमत्कार बन जाता है। एक कथित चमत्कारिक घटना को आधार बनाकर दस नई कथाओं को खड़ा करने में भत लोग माहिर होते हैं। इस तरह यह सिलसिला आगे चलता रहता है। सुशिक्षित, बुद्धिमान लोग भी इनकी गिरत में आ जाते हैं। लेकिन आज इस स्थिति का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण होना आवश्यक है। तभी पाखंडों और अंधविश्वासों को पनपने से रोका जा सकता है। श्रद्धा का शोषण शताब्दियों से किया जाता रहा है और आज भी हो रहा है। इन स्थितियों को समझने के साथ-साथ मनोविभ्रम से भी निकलना बहुत जरूरी है।

नर्क का दरवाजा बना प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशन, यहां बिखरे हैं कंकाल, जहाजों के मलबे

नामिब । अफ्रीका के दक्षिणी हिस्से में स्थित नामीबिया देश में एक रेगिस्तान है नामिब। पुराने वक्त में पुर्तगाली नाविकों ने इस रेगिस्तान के पास स्थित समुद्री तट को 'नर्क का दरवाजा' बताया था। इस वजह से यहां कोई नहीं जाना चाहता। पर आपको जानकर हैरानी होगी, कि ये जगह एक प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन चुकी है। जानकारी के अनुसार नामीबिया का स्केलिटन कोस्ट बेहद खौफनाक अनुभव देने वाली जगह है। 'नर्क का दरवाजा', 'धरती का अंत', जैसे उपनामों से इस जगह को जाना जाता है। लोगों का मानना है कि इस इलाके को भगवान ने बेहद गुस्से में बनाया होगा। ये वो जगह है जहां पर समुद्र और रेगिस्तान एक दूसरे से मिलते हैं। यहां लंबी दूरी तक रेत के टीले फैले हैं, जंगली जानवर रहते हैं और उसके साथ-साथ चारों ओर कंकाल, जहाजों के मलबे आदि भी फैले रहते हैं।जब भी समुद्र में लो टाइड आती है, और पानी पीछे जाता है, तो कई कंकाल तट पर पड़े दिख जाते हैं। इस इलाके के पास बहुत लोग नहीं रहते हैं। यहां काफी हाथी पाए जाते हैं जो रेत में गड्ढा खोदकर अंदर से पानी निकालते हैं। इसके अलावा जिराफ, शेर, हायना, और बबून जैसे जीव भी यहां पाए जाते हैं। सीएनएन के अनुसार इस इलाके में हिंबा जनजाति के लोग भी रहते हैं। इस जनजाति के लोग नहाते ही नहीं हैं।इस इलाके में चूंकि आबादी बेहद कम है, इस वजह से यहां पर प्रदूषण भी नहीं है। इस वजह से आसमान बेहद साफ नजर आते हैं। यहां पर लोग ड्यून ट्रेकिंग करने आते हैं। गाड़ियों पर वो इस रेगिस्तान के टीलों की यात्रा करते हैं। जानकारी के अनुसार यहां पर करीब 1000 जहाज ध्वस्त हो चुके हैं, जिनका मलबा तट पर पड़ा मिल जाता है। बीच एटलस वेबसाइट ने इस तट को दुनिया के सबसे खूबसूरत गोल्डेन बीच में से एक का दर्जा दिया है। आप अब तक तो ये समझ गए होंगे कि इसका नाम स्केलिटन कोस्ट क्यों है। वो इसलिए क्योंकि यहां पर व्हेल मछली के कंकाल काफी संख्या में मिले हैं। बता दें कि दुनिया में कई ऐसी जगहें हैं, जो इतनी अजीबोगरीब हैं, कि यहां जाने वाले लोग या तो उन जगहों पर लौटकर दोबारा नहीं जाना चाहते, या फिर बार-बार जाना चाहते हैं।

वानुअतु द्वीप समूह में लगे भूकंप के झटके

हांगकांग। चीन स्थित वानुअतु द्वीप समूह में शनिवार को मध्यम स्तर के भूकंप के झटके महसूस किए गए। जीएफजेड जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने जानकारी देते हुए बताया कि अंतरराष्ट्रीय समयानुसार शनिवार तड़के करीब 03:17 बजे भूकंप आया। इसकी तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 5.3 मापी गई है। भूकंप का केंद्र 14.63 डिग्री दक्षिण अक्षांश और 167.18 डिग्री पूर्वी देशांतर तथा जमीन की सतह से 174.4 किमी की गहराई में बताया गया है। भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुक्सान की अभी तक कोई सूचना नहीं मिली है।

ऑस्ट्रेलिया में नाइट आउट के लिए गयी महिला सांसद ने यौन उत्पीड़न को आरोप लगाया

कैनबरा । ऑस्ट्रेलिया की महिला सांसद ने आरोप लगाया है कि नाइट आउट के दौरान उसके साथ यौन उत्पीड़न हुआ है। क्वींसलैंड लेबर पार्टी की सांसद ब्रिटनी लाउगा ने कहा कि पहले कुछ लोगों ने उसे नशीला पदार्थ पिलाया फिर यौन उत्पीड़न किया। इस सांसद ने कहा कि क्वींसलैंड के येपून में उसके साथ से भयानक हादसा हुआ। जिसके बाद उन्होंने पुलिस में भी ये मामला दर्ज कराया। इस महिला सांसद लाउगा ने कहा, अस्पताल में जांच के दौरान उनके शरीर में ऐसी दवाइयों का पता चला है जो उन्होंने नहीं खायीं थीं। साथ ही कहा कि जब उन्होंने अपने साथ हुए हादसे की बात बतायी तो शहर की कई महिलाएं ने भी खुलास किया कि उनके साथ भी ऐसा हुआ था। उन्होंने कहा, इस प्रकार का हादसा किसी के साथ भी हो सकता था। हम में से कई लोगों के साथ होता है। यह सही नहीं है। हमें नशे या हमले के खतरे के बिना ही अपने शहर में घूमने फिरने में डर नहीं लगना चाहिये। साथ ही कहा, मेरे समर्थन में आगे आने वाले सभी लोगों की मैं आभारी हूं। मैं वास्तव में आपके संदेशों को महत्व देती हूं। यदि आपके पास कोई जानकारी है जो जांच में सहायता कर सकती है, तो आगे आकर पुलिस को बताएं। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, लाउगा के साथ घटी इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। इस मामले में क्वींसलैंड के प्रीमियर स्टीवन माइल्स ने कहा कि सरकार हर संभव तरीके से सांसद को न्याय दिलाने का प्रयास करेगी।

ब्राजील में बारिश से अबतक 56 की मौत, कई लापता

साओ पाउलो । ब्राजील में भारी बारिश और बाढ़ से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। इसमें मरने वालों की तादाद भी बढ़ रही है। देश के दक्षिणी राज्य रियो ग्रांडे डो सुल में अब तक 56 लोगों की मौ हुई है जबकि जबकि 67 लापता हुए हैं। वहीं अब तक 32,900 लोगों को सुरक्षित जगहों पर भेजा गया है। रियो में इस कारण बिजली भी नहीं है। एक सप्ताह से हो रही तेज बारिश ने अब तक 281 नगर पालिकाओं को नुकसान हुआ है। नदियाँ खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। यहां तक कि राज्य की राजधानी पोर्टो एलेग्रे भी डूब रही है। रियो के गवर्नर एडुआर्डो लेइट ने कहा, आने वाले दिनों में लापता लोगों की संख्या बदल सकती है क्योंकि हम घटनास्थल पर पहुंचेंगे और अन्य लापता हुए लोगों का पता लगाएंगे। वहीं ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा भी बचाव अभियान को देख रहे हैं। उन्होंने सहायता के लिए राष्ट्रीय बल, एक विशिष्ट पुलिस बल के 100 सदस्यों को भेजने के बाद, तकनीकी और वित्तीय सहायता की सुविधा के लिए पोर्टो एलेग्रे में एक आपातकालीन कार्यालय खोलने को भी कहा है।

इजरायल के गंभीर नहीं होने से संघर्ष विराम विफल रहा : हमास

गाजा । गाजा में इजरायल और हमास के बीच जंग जारी है। इससे साफ है कि गाजा संघर्ष विराम को लेकर कोई संकेत मिलते नहीं दिख रहे हैं। वहीं हमास के एक प्रवक्त के अनुसार इजरायल के (स्थायी) युद्धविराम के लिए गंभीर नहीं होने के कारण बातचीत आगे नहीं बढ़ पा रही है। हमास ने समझौते के तहत गाजा से इजरायल की वापसी और संघर्ष शर्तों को पूरी तरह से समाप्त करने को कहा है जिसपर इजरायल तैयार नहीं है। वहीं एक रिपोर्ट में कहा गया है कि हमास युद्धविराम समझौते के पहले चरण में शुरुआती 20 के बजाय 33 बंधकों को रिहा करने तैयार है। संघर्ष विराम पर बात के लिए हमास का एक प्रतिनिधिमंडल भी काहिरा पहुंचा है, जिससे उम्मीद जतायी जा रही है कि कुछ बंधकों की रिहाई हो सकती है।

हमास नेता सिनवार को जिंदा या मुर्दा पकड़ने इजरायल में हुई बैठक

तेल अवीव। इजरायल-हमास के बीच युद्धविराम समझौते पर पहुंचने के लिए काहिरा में चल रही शांति वार्ता के बीच, इजरायल ने हमास के सैन्य कमांडर याह्या सिनवार को मारने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। एजेंसी ने बताया कि इजराइल रक्षा मंत्री योव गैलेंट द्वारा बुलाई गई उच्च स्तरीय बैठक में सिनवार को जिंदा या मुर्दा पकड़ने पर बातचीत की गई। रक्षा मंत्री ने शीर्ष सेना और खुफिया अधिकारियों से कहा है कि सिनवार को मारना हमारी पहली प्राथमिकता है। इस बैठक में इजरायल के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार तजाची हानेग्बी, शिन बेट प्रमुख रोनेन बार और कई शीर्ष इजरायली सेना के अधिकारी शामिल हुए।

मास्को में रुस के राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन और मास्को के मेयर सरजेई सोबियान कैथेड्रल ऑफ क्राइस्ट में आरथोडोक्स ईस्टर सर्विस में उपस्थित रहे।

नर्स ने मरीजों को दी मौत, अदालत ने सुनाई 760 साल की सजा

वॉशिंगटन। डॉक्टर और नर्स मरीजों के लिए भगवान के बराबर होते हैं, लेकिन अमेरिका के पेंसिल्वेनिया में एक नर्स हीदर प्रेसडी हैवान बन गई। नर्स ने तीन मरीजों की जान ले ली और 19 मरीजों को मारने की नाकाम कोशिश की। जिसके बाद एक अमेरिकी अदालत ने हीदर को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार अमेरिका में एक नर्स ने तीन साल तक कई मरीजों को जान से मारने की कोशिश में उन्हें इंसुलिन की जानलेवा डोज दिया था। दोषी नर्स को अदालत ने 380-760 साल की सजा सुनाई गई। अदालत ने बताया कि नर्स 2020 और 2023 के बीच पांच स्वास्थ्य सुविधाओं में कम से कम 17 मरीजों की मौत के लिए जिम्मेदार थीं। प्रेसडी पर 22 मरीजों को अधिक मात्रा में इंसुलिन देने का आरोप था, जिनमें कुछ ऐसे भी थे जो डायबिटिक नहीं थे। ज्यादातर मरीजों की डोज लेने के तुरंत या कुछ समय बाद मौत हो गई थी। पीड़ितों की उम्र 43 से 104 साल थी। बता दें, पुलिस जांच में प्रेसडी के खिलाफ कई अन्य आरोप लगाए गए। पूर्व में सहकर्मियों ने उसके आचरण करते हुए कहा था कि वह अपने मरीजों के लिए दिल में नफरत रखती है और अक्सर उनके बारे में गलत बातें करती हैं। अपनी मां को लिखे एक मैसेज में प्रेसडी ने मरीजों, सहकर्मियों और यहां तक कि रेस?टोरेन?ट में लोगों के साथ अपनी नाखुशी का जिक्र किया था। वह अक्सर मरीजों को नुकसान पहुंचाने के बारे में भी बात करती थी। सुनवाई के दौरान अदालत में उसने इस गुनाह को कुबूल किया। जब प्रेसडी के एक वकील ने पूछा कि उसने खुद को दोषी क्यों बताया? तो प्रेसडी ने जवाब दिया क्योंकि मैं दोषी हूं। प्रेसडी ने 2018 से 2023 तक कई नर्सिंग होम में काम किया, उसका लाइसेंस निलंबित कर दिया गया था। अब नर्स की पूरी जिंदगी जेल में कटेगी।

फिलिस्तीनियों को अमेरिका में शरण देने की योजना का विरोध शुरु, सांसद ने बताया देश की सुरक्षा को खतरा

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में बाइडेन सरकार के उस निर्णय का विरोध शुरु हो गया है,जिसमें कहा गया था की फिलिस्तीनियों को अमेरिका में शरण दी जाएगी। इस निर्णय पर अमल होता इसके पहले ही विरोध शुरु हो गया है। जो बाइडेन सरकार की इस संभावित प्लानिंग पर अमेरिकी सांसद ने आपत्ति जताई है। रिपब्लिकन सीनेटर ने कहा कि यह कदम देश की राष्ट्रीय सुरक्षा को जोखिम में डालने जैसा कदम होगा। उन्होंने कहा कि गाजा के जिन बच्चों को हम अपने यहां लाने की सोच रहे हैं, वहां उन्हें नफरत की शिक्षा दी जाती है। उन्हें गाजा में ही बंद कर दिया जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर इतना ही जरूरी है तो यह कदम कोई अरब देश क्यों नहीं उठाता।

गाजा में कत्लेआम से चिंतित बाइडेन सरकार योजना बना रही है कि जिन अमेरिकियों के रिश्तेदार गाजा में रह रहे हैं, उन्हें शरणार्थी के तौर पर अमेरिका में पनाह दी जाएगी। हालांकि बाइडेन सरकार के इस संभावित कदम की अमेरिकी सीनेटर रॉन जॉनसन ने कड़ी आलोचना की है। जॉनसन उन 34 सीनेट रिपब्लिकन में से एक हैं, जिन्होंने अमेरिका में रहने वाले फिलिस्तीनियों को अपने परिवार के सदस्यों को शरणार्थी के रूप में लाने की अनुमति देने की बाइडेन प्रशासन की संभावित रणनीति के खिलाफ आवाज उठाई है। उन्होंने इस योजना को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया। स्थानीय मीडिया से बातचीत में जॉनसन ने कहा कि फिलिस्तीनी बच्चों को अमेरिका में शरण नहीं दी जानी चाहिए, उन्होंने कहा कि उन्हें वहां नफरत की शिक्षा दी जाती है और उन्हें गाजा में ही बंद कर दिया जाना चाहिए। अमेरिकी कॉलेज परिसरों में फिलिस्तीन के समर्थन में विरोध प्रदर्शनों का उदाहरण देते हुए जॉनसन ने कहा कि यह भी एक बड़ा कारण है कि अरब देशों ने दशकों से फिलिस्तीनी शरणार्थियों को स्वीकार नहीं किया है। अगर उन्होंने ऐसा किया होता तो आज हमें यह समस्या नहीं होती।

सीनेटर ने उन्हें खतरनाक लोग कहा और कहा कि यही कारण है कि वे उन्हें गाजा और वेस्ट बैंक में बंद रखने की कोशिश करते हैं वरना ये घटनाएं एक ही जगह सीमित न होकर पूरी दुनिया में फैल सकती है। फ़िलिस्तीनियों को वहीं बंद रखने की वकालत करते हुए जॉनसन ने कहा, हमें इज़रायल को हमास को नष्ट करने देना होगा और फिर उन फ़िलिस्तीनियों के साथ शांति से रहने की कोशिश करनी होगी जो ऐसा करने के इच्छुक हैं। वे न केवल यहूदियों से नफरत करते हैं, वे हमसे भी नफरत करते हैं।बता दें कि इजरायल और हमास आतंकियों के बीच चल रहे कत्लेआम में सबसे ज्यादा नुकसान गाजा शहर में हुआ है। यहां मरने वालों की तादाद कम से कम 34 हजार है। अभी भी इजरायली सेना रुकी नहीं है, हमास के हर कण को मिटाने की कसम खा चुकी आईडीएफ ने गाजा और उससे सटे राफा शहर में अपना ऑपरेशन जारी रखने की बात कही है। गाजा में जान गंवाने वाले अधिकतर महिलाएं और मासूम बच्चे हैं। अमेरिका और यूएन समेत कई आधी दुनिया चिंता जता चुका है। तमाम आलोचनाओं को झेलने के बावजूद इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू बेपरवाह हैं और अपना ऑपरेशन जारी रखने की बात दोहरा चुके हैं।

पाकिस्तान फिर 1971 वाले रास्ते पर चल रहा है : इमरान खान

-सैन्य नेतृत्व पर लगाया आरोप बोले-उनके पास कुछ बचा है तो वह उनकी 'हत्या' करना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान ने भारत और अफगानिस्तान से लगी सीमाओं पर पाकिस्तान में हालात खराब होने की चेतावनी दी है। मिली खबरों के मुताबिक इमरान खान ने कहा है कि पाकिस्तान उसी रास्ते पर चल रहा है, जिस पर वह 1971 में चला था। जब उसने अपना पूर्वी इलाका खो दिया था जो अब बांग्लादेश है।

रावलपिंडी की जेल से इमरान ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान आतंकवाद और बलूचिस्तान में अलगाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत पहले ही पाकिस्तान के अंदर हत्याएं करने की बात कबूल कर चुका है और पाकिस्तान की सीमाओं पर अफगानिस्तान के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा अस्थिरता बनी हुई है। उन्होंने पाकिस्तान के बिगड़ते हालात पर अफसोस जताया है। जहां उनके जैसे राजनीतिक नेता जेल में बंद हैं और कहा कि शक्तिशाली सैन्य नेतृत्व के लिए अगर अब कुछ बचा है तो वह उनकी 'हत्या' करना है।

उन्होंने कहा कि शक्तिशाली सेना ने पाकिस्तान के अस्तित्व के 75 साला से अधिक समय तक राज किया है। सेना ने सुरक्षा और विदेश नीति के मामलों में काफी शक्ति का इस्तेमाल किया है, जबकि सेना ने देश की राजनीति में हस्तक्षेप से इनकार किया है। क्रिकेटर से राजनेता बने इमरान खान ने अपने पिछले दावे को दोहराते हुए कहा कि अगर उन्हें या उनकी पत्नी को कुछ भी होता है, तो सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर जिम्मेदार होंगे। इमरान खान ने 8 फरवरी के आम चुनाव के लोकतांत्रिक ढंग से बदला लेने की सराहना की। जिसके दौरान लोग बाहर आए और उनकी पार्टी द्वारा समर्थित उम्मीदवारों के लिए भारी मतदान किया था। इमरान ने कहा कि दुर्भाग्य से लोगों के जनादेश को कबूल करने के बजाय सेना गुस्से में आ गई और हारे हुए लोगों को सत्ता में लाने के लिए चुनावी नतीजों में हेरफेर किया गया जो लोकतंत्र के खिलाफ है।

न्यूयॉर्क में अलग-अलग देशों की 500 महिलाओं ने किया साड़ियों का प्रदर्शन

- अपने अपने देशों का राष्ट्रीय ध्वज लहराया, एक साथ नृत्य भी किया

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। न्यूयॉर्क का जाना माना 'टाइम्स स्क्वायर' पर भारतीय-अमेरिकी समुदाय के साथ ही अन्य देशों की सैकड़ों महिलाओं ने एक विशेष कार्यक्रम में साड़ियों की सुंदरता, विरासत और सांस्कृतिक विविधता का प्रदर्शन किया। 'साड़ी गोज ग्लोबल' कार्यक्रम में भारतीय समुदाय के साथ ही नौ देशों की 500 से ज्यादा महिलाओं ने भाग लिया जहां नौ गज का यह परिधान लोकप्रिय है तथा उसे पसंद किया जाता है। इस कार्यक्रम में बांग्लादेश, नेपाल, ब्रिटेन, अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, युगांडा, त्रिनिदाद और गुयाना शामिल हैं। खादी सहित विभिन्न प्रकार के कपड़ों पर उत्कृष्ट कढ़ाई एवं शैलियों वाली रंग-बिरंगी साड़ियां पहनी महिलाओं ने अपने संग्रह का प्रदर्शन किया और अपने अपने देश के राष्ट्रीय ध्वज लहराए। एक साथ नृत्य भी किया और अपनी साड़ियों, संस्कृति तथा विरासत के बारे में कहानियां साझा कीं।

यह कार्यक्रम 'ब्रिटिश वुमेन इन साड़ी' ने उमा संगठन के साथ मिलकर आयोजित किया जिसमें संगीत, नृत्य और साड़ी 'वॉकथन' के जरिए साड़ी की सुंदरता का प्रदर्शन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दुनियाभर में भारत में हथकरघा कलाकारों की मदद करते हुए साड़ी के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। उमा ग्लोबल की अध्यक्ष डॉ. रीता ककाती-शाह और 'ब्रिटेन वुमेन इन साड़ी' की चेयरपर्सन डॉ. दीप्ति जैन ने दुनियाभर में एकता और महिला सशक्तीकरण के प्रतीक के तौर पर साड़ी की महत्ता पर जोर दिया। इस कार्यक्रम को दर्शकों ने खूब सराहा।

रिपोर्ट में खुलासा: गाजा के बैंकों की तिजोरियों से 580 करोड़ की लूट

- हमास पर एक नहीं बैंक की कई शाखाओं को लूटने का आरोप

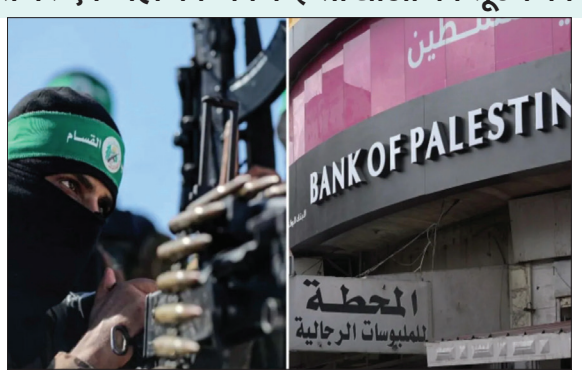

गाज (एजेंसी)। इजरायल-हमास युद्ध के बीच एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हमास ने अपने ही देश फिलिस्तीन बैंकों से करोड़ों रुपए की लूट की हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि फ्रांसीसी अखबार का दावा है जब गाजा में रह रहे कम से कम 25 लाख लोग इजरायली हमलों के बाद भुखमरी से जूझ रहे थे तब हमास ने एक महीने के अंदर कम से कम 580 करोड़ रुपए लूट लिए।

एक रिपोर्ट में कहा कि गाजा के सशस्त्र ग्रुप ने बैंक ऑफ फिलिस्तीन की कई ब्रांच से लूटपाट की है। बैंक के दस्तावेजों का हवाला देते हुए अखबार ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि एक नहीं बैंक की कई शाखाओं को हमास ने साफ कर दिया है। एक अनुमान के मुताबिक हमास ने 70 मिलियन डॉलर (कम से कम 580 करोड़ रुपए) लूट लिए है। बैंक ने लूटपाट की इन घटनाओं को बेहद गंभीर बताया है।

रिपोर्ट ने बताया कि अखबार का दावा है 16 अप्रैल को कर्मचारियों ने रिपोर्ट किया कि बैंक ऑफ फिलिस्तीन की गाजा शाखा में लॉकर से 3 मिलियन डॉलर लूट लिए गए। डकैतों ने तिजोरी वाले कमरे की छत में एक सुराख कर पूरी तिजोरी खाली कर दी। इसी तरह अन्य शहरों से डकैती की गई है। गौरतलब है कि 1960 में स्थापित बैंक ऑफ फिलिस्तीन गाजा का प्रमुख वित्तीय संस्थान है।

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि इजराइल-हमास के बीच युद्ध को छह महीने से ज्यादा समय हो जाने और फलस्तीनी क्षेत्र में खाद्य आपूर्ति पर इजराइल द्वारा कड़े प्रतिबंध लगाये जाने से उत्तरी गाजा में अकाल अब अपने चरम पर है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र की एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि यह भयावह है। उत्तर में अकाल चरम पर है और यह स्थिति दक्षिण की ओर बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि गाजा में तेजी से बढ़ते इस मानवीय संकट का सामना करने के लिए संघर्ष विराम और जमीन व समुद्री मार्गों के जरिये मदद पहुं?चाने में भारी वृद्धि की जरूरत है। बता दें कि गाजा में करीब 23 लाख लोग रहते हैं।

20 साल की उम्र से ही शुरु कीजिए ब्रिस्क एक्सरसाइज

-जिम जाने की जरूरत नहीं, रोज करें तेज वॉकिंग

हार्वर्ड (एजेंसी)। कई रिसर्च में यह बात साबित हो चुकी है कि जिनका वजन ज्यादा होता है वह कई बीमारियों से परेशान रहते हैं और उनकी आयु भी ज्यादा लंबी नहीं होती। इसलिए शरीर पर कभी चर्बी न बढ़े, इसके लिए क्या करना चाहिए, इस बात पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है।

अगर आप भी चाहते हैं कि आपके शरीर की चर्बी कभी न बढ़ें तो हार्वर्ड मेडिकल स्कूल द्वारा बताए गए इस टिप्स का पालन कीजिए। इन टिप्स को अपनाएं यदि आप चाहते हैं कि शरीर पर वजन ज्यादा न हो तो इसके लिए 20 साल की उम्र से ही नियमित रूप से ब्रिस्क एक्सरसाइज शुरू कर दीजिए। इसके लिए जिम जाने की जरूरत नहीं है बल्कि आप जो वॉक करते हैं या पैदल चलते हैं उसकी गति बढ़ा दीजिए। रोज आधे से पौन घंटा वॉकिंग, साइक्लिंग, स्विमिंग, रनिंग आदि कीजिए। इससे वजन बढ़ने का चांस ही नहीं होगा। नियमित एक्सरसाइज के बाद आपको हेल्दी फूड की जरूरत है। 20 साल की उम्र से ही हेल्दी खाना खाने की आदत बना लीजिए। रोज साबुत अनाज, हरी पत्तीदार सब्जियों और ताजे फल का सेवन करें। थाली का दो तिहाई हिस्सा सब्जियों और फलों से भरा होना चाहिए। इसके साथ ही पर्याप्त मात्रा में पानी पीना चाहिए। ज्यादा साबुत या मोटा अनाज को शामिल करें। अंकुरित अनाज कई बीमारियों से दूर रखेगा। इसके अलावा फ्रूट और सीजनल सब्जियों का सेवन बढ़ाएं। हेल्दी फैट्स का सेवन करें। घर में बनाया हुए शेक या पेय पदार्थ ही बेहतर होता है।

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के मुताबिक सिगरेट, शराब, ड्रग्स आदि को छोड़ना मोटापा पर लगाम लगाने की सबसे बड़ी कोशिशों में से एक है। 20-25 साल के बाद से कोशिश कीजिए कि सिगरेट, शराब न पीएं। इसके साथ ही बाहर की चीजों से परहेज करना भी जरूरी है। 25 साल के बाद आप फास्ट फूड यानी पिज्जा, बर्गर, चाऊमिन आदि ज्यादा फैट वाली चीजों का सेवन बंद कर दीजिए। क फूड, रिफाइंड से बनी हुई चीजें, मीठी चीजें, रेड मीट, प्रोसेस्ड मीट, कोल्ड ड्रिंक, सोडा, शराब, सिगरेट से परहेज करें। शरीर पर चर्बी न चढ़ें, इसके लिए यह भी जरूरी है कि आप रोज पर्याप्त नींद लें। रोज सवेरे सोएं और सवेरे उठ जाएं। कोशिश करें कि रोज 7 से 8 घंटे की नींद लें। नींद की गुणवत्ता को बढ़ाएं। पर्याप्त नींद लेना मोटापे से बचने के लिए बहुत जरूरी है। नींद में

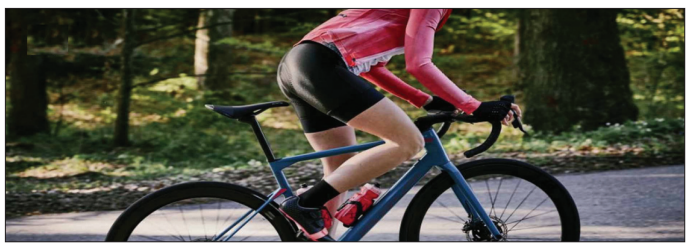

भी सुकून भरी नींद जरूरी है। आज के जेनरेशन में रात को सोते समय अमूमन लोग मोबाइल स्क्रीन को देखते हुए सोते हैं। लेकिन यह तरीका बहुत गलत है।

रात में स्क्रीन को देखने से एक तो नींद जल्दी नहीं आएगी, दूसरी ओर इससे तनाव बढ़ेगा। तनाव बढ़ने से कई बीमारियां होंगी। इसलिए रात में सोते समय मोबाइल देखते हुए न सोएं। बता दें कि दुनिया भर में करीब 2 अरब लोग मोटापे के शिकार हैं। यहां तक कि बचपन से ही लोग मोटे हो रहे हैं। वजन में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। लेकिन सवाल यह है कि मोटा होना ही क्यों है। मोटापा कई बीमारियों की वजह है। इसलिए हम यह कोशिश क्यों न करें कि शरीर पर वजन बढ़े ही न। आखिर बहुत सारे लोग कभी मोटा नहीं होते, वे कैसे बिना वजन बढ़ाए रह लेते हैं।

पुंछ के हमलावर कायरों की तरह जंगल में छिपे,सेना ने चौतरफा घेरा

सर्चिंग अभियान तेज

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में भारतीय वायुसेना के एक काफिले पर घात लगाकर हमला करने वाले जंगलों की तरफ भाग गए है। अब भारतीय सेना के जवान इन्हे चप्पे चप्पे में तलाश रहे हैं। आर्मी के अतिरिक्त जवान पुंछ में जर्रा वाली गली पहुंच गए हैं। बता दें कि इस हमले में एक जवान शहीद हो गया जबकि चार अन्य सैनिक घायल हुए थे। घायलों में एक सैनिक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

स्थानीय राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट ने इलाके में बड़े पैमाने पर तलाशी और घेराबंदी अभियान शुरू किया है। आज भी यहां से गुजरने वाले हर वाहन की सुरक्षाबलों द्वारा तलाशी ली जा रही है। सेना के वाहन शाहसितार के पास जनरल क्षेत्र में स्थित एयर बेस के अंदर सुरक्षित पहुंच गए हैं। संदिग्ध लोगों की आवाजाही के बारे में गोपनीय जानकारी मिलने के बाद अर्धसैनिक बलों की सहायता से पुलिस शुक्रवार से पुंछ शहर में तलाशी ले रही थी, हालांकि इस तलाशी अभियान के दौरान किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया था। भारतीय वायुसेना ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, काफिले को सुरक्षित कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। आतंकवादियों के साथ गोलीबारी में, वायुसैनिकों ने जवाबी गोलीबारी की। इस दौरान भारतीय वायुसेना के पांच कर्मियों को गोली लग गई और उन्हें तत्काल इलाज के लिए नजदीकी सैन्य अस्पताल ले जाया गया। एक वायु सैनिक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। स्थानीय सुरक्षा बलों द्वारा आगे की कार्रवाई जारी है। वहीं हमले की एक तस्वीर सामने आई है जिसमें दिख रहा है कि आतंकियों ने किस कदर सेना के वाहनों पर अंधाधुंध गोलिया बरसाईं। सेना के काफिले में शामिल एक ट्रक के विंडस्क्रीन पर दो दर्जन से अधिक गोलियों के निशान नजर आ रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, एके असॉल्ट राइफलों से लैस आतंकवादी पास के जंगलों में भाग गए हैं। आतंकी हमला शाम करीब सवा छह बजे हुआ जब जवान जारनवाली से वायुसेना के अड्डे पर लौट रहे थे। अधिकारियों को आतंकवादियों के उसी समूह की संलिप्तता का संदेह है, जिसने पिछले साल 21 दिसंबर को पास के बुफलियाज में सैनिकों पर घात लगाकर हमला किया था जिसमें चार सैनिक शहीद हो गए थे और तीन अन्य घायल हो गए थे।2003 से 2021 के बीच यहां शांति थी निकटवर्ती राजौरी के साथ सीमावर्ती पुंछ जिले में पिछले दो वर्षों में कुछ बड़े आतंकवादी हमले हुए हैं जो इस क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियों की वापसी का संकेत हैं, जबकि एक बार इस क्षेत्र को आतंकवाद से मुक्त कर दिया गया था और 2003 से 2021 के बीच यहां शांति थी। 22 अप्रैल को थानामंडी के शाहदरा शरीफ इलाके के पास आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में एक 40 वर्षीय ग्रामीण की मौत हो गई थी। 28 अप्रैल को उधमपुर के बसंतगढ़ इलाके में एक ग्राम रक्षक मोहम्मद शरीफ की हत्या कर दी गई थी। बीजेपी नेता कविंदर गुप्ता ने पाकिस्तान पर आरोप लगाते हुए हमले को माहौल खराब करने की कोशिश बताया। पिछले दो सप्ताह में राजौरी और पुंछ जिलों में फैले पीर पंजाल क्षेत्र में यह तीसरा आतंकवादी हमला है।

महाराष्ट्र के नेता विपक्ष ने बड़ा दावा बोले- हेमंत करकरे हत्या कसाब ने नहीं की

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस के विजय वडेट्टीवार ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा है कि आईपीएस अधिकारी हेमंत करकरे की हत्या जिस गोली से हुई वह आरएसएस को समर्पित एक पुलिस अधिकारी के हथियार से चली थी, न कि अजमल कसाब या 26/11 को मुंबई पर हमला करने वाले अन्य 9 पाकिस्तानी आतंकवादियों की बंदूक से। एक वीडियो बयान में वडेट्टीवार ने आरोप लगाया, जांच के दौरान, महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई थी। हालांकि, इसे उज्ज्वल निकम ने दबा दिया, जो एक देशद्रोही है। मेरा सवाल यह है कि बीजेपी एक देशद्रोही को क्यों बचा रही है और ऐसे व्यक्ति को लोकसभा चुनाव में टिकट क्यों दिया? ऐसा करके, भाजपा देशद्रोहियों को बचा रही है।इस बयान पर निकम और उपमुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। फडणवीस और उज्जवल निकम ने वडेट्टीवार के आरोपों को निराधार और गैरजिम्मेदाराना बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कसाब के पक्ष में है, जो 26/11 का हमलावर था जिसे जिंदा पकड़ा गया था और बाद में उसे दोषी करार देकर फांसी दे दी गई थी। निकम ने कहा, यह कितना बेबुनियाद बयान है। मैं ऐसे बेबुनियाद आरोपों से दुखी हूं, जो मेरी ईमानदारी पर संदेह पैदा करते हैं। यह चुनावी राजनीति के स्तर को साफ दर्शाता है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि राजनेता इतने निचले स्तर पर गिर जाएंगे। राजनीतिक लाभ के लिए? वह (वडेट्टीवार) मेरा नहीं, बल्कि 26/11 के हमलों में मारे गए 166 लोगों और सभी घायलों का अपमान कर रहे हैं।निकम ने कहा, वे (कांग्रेस) कसाब को निर्दोष मानते हैं। यहां तक कि पाकिस्तान ने भी स्वीकार किया था कि कसाब साजिश में शामिल था और भारत पर आतंकी हमले में शामिल था और दोषी था। उन्होंने कहा कि कसाब को सजा दिलाने के लिए उन्होंने जो कानूनी कदम उठाए हैं, उन्हें भारतीय अच्छी तरह जानते हैं।

राहुल गांधी का वायनाड-रायबरेली से चुनाव लड़ना सही या गलत?

- लोगों ने इसे सही तो कुछ ने राहुल का गलत कदम बताया

तिरुवनंतपुरम।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी वायनाड और रायबरेली से चुनाव लड़ रहे हैं। वायनाड लोकसभा सीट पर 26 अप्रैल को मतदान हो चुका है। रायबरेली से राहुल गांधी के चुनाव लड़ने को लेकर वायनाड की जनता की राय सामने आई है। वायनाड और रायबरेली चुनाव को लेकर लोगों ने मिलीजुली प्रतिक्रिया दी हैं। कुछ लोगों ने कहा कि राहुल गांधी के रायबरेली से चुनाव लड़ना गलत नहीं है, वहीं कुछ लोगों की राय है उनका दोनों जगह से चुनाव लड़ना गलत है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वायनाड में एक व्यक्ति ने कहा कि राहुल गांधी के दो सीटों से चुनाव लड़ने के फैसले में कुछ भी गलत नहीं है। वह इंडी गठबंधन का नेतृत्व भी कर रहे हैं और इसलिए इसमें कुछ भी गलत नहीं है। जबकि एक अन्य व्यक्ति ने कहा कि राहुल दोनों सीटों से जीतते हैं, तो सबसे अधिक संभावना है कि वह वायनाड सीट खाली कर देंगे, लेकिन अगर राहुल ऐसा करते हैं तो यह हमें अच्छा नहीं लगेगा। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) नेता पीके कुन्हालीकुट्टी ने कहा कि रायबरेली से चुनाव लड़ने के राहुल गांधी के फैसले में कुछ भी गलत नहीं है। उन्होंने कहा कि हमने भी कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व से अनुरोध किया था कि राहुल गांधी को वायनाड के अलावा एक और सीट से चुनाव लड़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने भी पहले दो सीटों से चुनाव लड़ चुके हैं। बता दें कि राहुल गांधी ने 2019 का चुनाव वायनाड से जीता था, लेकिन यूपी की अमेठी सीट से वह हार गए थे। इस बार वायनाड में उनका मुकाबला सीपीआई नेता एनी राजा और राज्य बीजेपी अध्यक्ष के. सुरेंद्रन से था। वायनाड में 26 अप्रैल को मतदान हो चुका है और चुनाव परिणाम 4 जून को घोषित किए जाएंगे।

वॉटसएप पर चलता था सेक्स रैकेट,पुलिस ने किया भंडाफोड़

गुरुग्राम।

दिल्ली से सटे गुरुग्राम में पुलिस ने एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए उसके संचालक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी वॉटसएप का इस्तेमाल करके जिस्मफरोशी के धंधे का संचालन कर रहा था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था। एक पुलिसकर्मी ने ग्राहक बनकर शुक्रवार रात शेख को फोन किया था। इसके बाद दोनों के बीच सौदा तय हुआ था। बाबूल शेख ने एक महिला के लिए 8000 रुपए की डिमांड की थी। इसके बाद उसने नकली ग्राहक को गुरुग्राम के ओल्ड रेलवे रोड पर एक होटल में पहुंचने के लिए कहा, जहां एक और पुलिस टीम तैनात की गई थी। आरोपी दो महिलाओं के साथ कार से होटल आया था। उसने नकली ग्राहक से फीस ले ली।इसके तुरंत बाद पुलिस ने आरोपी बाबुल शेख को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ गुरुग्राम के न्यू कॉलोनी पुलिस स्टेशन में प्राथमिकी दर्ज की है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। उससे मिली जानकारी के आधार पर दूसरे आरोपी अनूप को पकड़ने की कोशिश की जा रही है। पुलिस पूछताछ में बाबुल शेख ने इस रैकेट जुड़ी कई अहम जानकारियां दी हैं।पुलिस ने उसके पास से वह पैसे भी बरामद कर लिए जो ग्राहक बनकर पुलिसकर्मी ने उसे दिए थे। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि आरोपी ने खुलासा किया कि अनूप के साथ मिलकर वो सेक्स रैकेट संचालित करता था।पुलिस पूछताछ कर रही है।पुलिस के मुताबिक, उन्हें शिकायत मिली थी कि आरोपी बाबुल शेख और उसका साथी अनूप वॉटसएप के जरिए वेश्यावृत्ति का रैकेट चला रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने अपना जाल बिछाया। नकली ग्राहक बनकर एक पुलिसकर्मी ने बाबुल शेख से संपर्क किया। काफी जानकारी लेने के बाद शेख फंस गया।

पंजाब गुरुद्वारे में बेअदबी के आरोप में युवक की पीट-पीटकर हत्या

-युवक के पिता बोले-बेटा मानसिक रुप से बीमार था

फिरोजपुर ।

पंजाब के फिरोजपुर में एक गुरुद्वारे में एक युवक की बेरहमी से पीटकर हत्या कर दी गई। 19 साल के युवक पर आरोप है कि उसने श्री गुरु ग्रंथ साहिब की बेअदबी की थी। पुलिस ने बताया कि तल्ली गुलाम गांव के निवासी बख्शीश सिंह ने बंडाला गांव में स्थित गुरुद्वारे में प्रवेश करने के बाद सिखों की पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब के कुछ पन्ने कथित तौर पर फाड़ दिए थे।

वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया और पीट-पीटकर मार डाला। वहीं मृतक युवक के पिता लखविंदर सिंह का कहना है कि बख्शीश मानसिक रोगी था और उसका इलाज चल रहा था। पिता ने पुलिस से अपने बेटे की हत्या करने वालों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

स्थानीय लोगों की मानें तो युवक बख्शीश पहले कभी गुरुद्वारे नहीं गया था। कथित तौर पर उसने बेअदबी करने के बाद भागने की कोशिश की। वहां मौजूद लोगों ने उसे पकड़ लिया। जब इसकी सूचना ग्रामीणों की मिली तो वो गुरुद्वारे में इकट्ठा हो गए। गुस्साई भीड़ ने युवक पर हमला कर दिया। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी में दिख रहा है कि कुछ लोग युवक को घेर रहे हैं, वह घायल अवस्था में बैठा है और उसके हाथ बंधे हुए हैं। इसके बाद पुलिस ने उसे एक निजी अस्पताल पहुंचाया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

डीएसपी सिंह का कहना है कि स्थिति को नियंत्रित में है। वहीं इस मामले में अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह का कहना है कि कानून बेअदबी की घटनाओं को प्रभावी ढंग से नहीं रोक पाया और युवक की मौत अपराधियों को सजा न मिलने का नतीजा थी। अकाल तख्त के नेता ने सिख समुदाय से आग्रह किया कि वे किसी भी गुरुद्वारे में उसका अंतिम संस्कार न करें और उनके परिवार का सामाजिक और धार्मिक रूप से बहिष्कार करें।

स्वामी प्रसाद मौर्य की बसपा में हो सकती हैं वापसी, कुशीनगर से लड़ सकते हैं चुनाव

- बसपा सुप्रीमो मायावती ने कुशीनगर सीट होल्ड कर रखी

कुशीनगर।

राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) के मुखिया स्वामी प्रसाद मौर्य की बसपा में वापसी हो सकती हैं। राजनीतिक हल्कों ने चर्चा है कि जल्द ही स्वामी बहुजन समाज पार्टी के सिम्बल पर कुशीनगर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। यही वजह है कि नामांकन के कुछ दिन ही बचे और बसपा सुप्रीमो मायावती ने कुशीनगर सीट होल्ड कर रखी है। ऐसा माना जा रहा है कि बसपा यहां से बड़े फैसले का एलान कर सकती हैं। पार्टी ने इस मसले में अभी चुप्पी साध रखी है। बसपा उत्तरप्रदेश की सभी 80 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। उसने 78 सीटों पर अपने उम्मीदवार भी घोषित कर दिए हैं। देवरिया और कुशीनगर सीट पर प्रत्याशियों का मंथन तेज है। इसमें कुशीनगर सीट होल्ड पर है। इस सीट पर स्वामी प्रसाद मौर्य से चल रही अंदरुनी बात के परिणामों का इंतजार किया जा रहा है।

वहीं बसपा और आरएसएसपी का चुनाव में क्या रोल रहेगा इन मुद्दों पर रणनीति बनाई जा रही हैं। इसके बाद अंतिम फैसला बसपा चीफ मायावती करेंगी। कुशीनगर में सात मई से नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया शुरू होगी।अपने विवादित बयानों के चलते सुर्खियों में रहने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य अपना सियासी ठिकाना बदलने के लिए भी जाने जाते हैं। 2016 में बसपा प्रमुख पर कई आरोप लगाकर पार्टी को अलविदा कहने वाले स्वामी अब फिर हाथी की सवारी करने को बेताब हैं। स्वामी ने 1980 के दशक से लोकदल से राजनीति शुरू की।

इसके बाद स्वामी 1991-1995 तक जनता दल के प्रदेश महासचिव रहे। 1996 में वह बसपा में आए फिर यहीं से उनके सियासत की असली कहानी शुरू हुई। साल 1997 में ही वह बसपा-बीजेपी गठबंधन की सरकार में मंत्री बने. इसके बाद 2001 में वह नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किए गए. 2002 में वह पडरौना से विधायक चुने गए. इस दौरान साल 2002-2003 में बसपा सरकार में मंत्री बने.

संक्षिप्त समाचार

टीएमसी कांग्रेस से गठबंधन की इच्छुक थी: अभिषेक

-अधीर रंजन चौधरी की आलोचना के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं की

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने कहा है कि टीएमएस, कांग्रेस के साथ गठबंधन करना चाहती थी। इसके लिए वह राहुल गांधी से मिलने सुबह छह बजे उनके निवास पर भी गए थे। अभिषेक ने कहा कि टीएमसी, कांग्रेस के उम्मीदवार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के पश्चिम बंगाल में सच्चे प्रतिनिधि हैं। अभिषेक ने कहा कि अगर वह गंभीर नहीं होते तो सुबह छह बजे दिल्ली में राहुल गांधी के निवालस पर नहीं जाते। टीएमसी लोकसभा चुनाव के लिए पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के साथ गठबंधन करने की इच्छुक थी और कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने टीएमसी की आलोचना किए जाने के बावजूद हमने लंबे समय तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी थी। उन्होंने कहा कि हमने कांग्रेस को दिसंबर तक का समय दिया था लेकिन हम ज्यादा इंतजार नहीं कर सकते थे क्योंकि हमें भी चुनाव की तैयारी करनी थी। अधीर रंजन जो कह रहे थे, उस पर हमारी नेता ममता बनर्जी और पार्टी के एक भी प्रवक्ता ने 31 दिसंबर, 2023 तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। अभिषेक ने कहा कि कांग्रेस की राज्य इकाई के शत्रुतापूर्ण रवैये के कारण सीट बंटवारे पर बातचीत विफल रही। इसलिए टीएमसी का कांग्रेस से गठबंधेन नही हो सका।

सरिता विहार फ्लाईओवर पर जल्द दौड़ सकेंगे वाहन

दक्षिणी दिल्ली। सरिता विहार फ्लाईओवर पर एक मई से शुरू होने वाला मरम्मत का कार्य में अभी समय लगेगा। क्योंकि पीडब्ल्यूडी विभाग ने अभी तक सभी नियम पूरे नहीं किए है। इसी के चलते यातायात विभाग ने कार्य करने की एनओसी नहीं दी है। अब यह कार्य दस मई के बाद शुरू होने की उम्मीद है। विभाग ने दस मई तक नियम पूरा करने की बात कहीं है। सरिता विहार फ्लाईओवर जर्जर हालत में हो चुका है। ऐसे में वहां हादसा होने का खतरा भी बना हुआ है। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा मरम्मत का कार्य चार चरणों किया जाना है और यह कार्य एक मई से शुरू होना था, लेकिन पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा अभी तक दो नियम को पूरा नहीं किया है।इससे अभी यातायात विभाग द्वारा भी कार्य शुरू करने की एनओसी नहीं दी है। बता दें कि यह कार्य जून 2023 में शुरू होना था। इसके लिए ट्रैफिक पुलिस से एनओसी मांगी थी, लेकिन कुछ शर्तों के कारण यह अटक गई थी। इस बार भी सभी शर्तों को पूरा नहीं किया गया है।

दिल्ली में एफएसटी टीम ने बीएमडब्ल्यू से 2 करोड़ रुपए किए बरामद

नई दिल्ली । दिल्ली में होने वाले लोकसभा चुनाव के पहले एफएसटी टीम ने एक बीएमडब्ल्यू कर से दो करोड़ रुपये की रकम बरामद की है और इसकी जानकारी आयकर विभाग को दी गई है। जानकारी के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने दक्षिण पूर्वी दिल्ली के ओखला औद्योगिक क्षेत्र में एक बीएमडब्ल्यू कार से 2 करोड़ रुपये से अधिक बरामद किए और दो लोगों को हिरासत में लिया है। अधिकारियों के मुताबिक चुनाव आयोग द्वारा गठित तुगलकाबाद की फ्लाइंग स्क्वाड टीम (एफएसटी) के साथ स्थानीय पुलिस को ओखला औद्योगिक क्षेत्र में वाहनों की जांच करने के लिए तैनात किया गया था। उन्होंने जांच के लिए एक बीएमडब्ल्यू कार को रोका और दो कार्ड बोर्ड डिब्बों में रखी भारी मात्रा में नकदी बरामद की। अधिकारियों ने बताया कि कार में यात्रा कर रहे दो लोग पैसे का सटीक स्रोत बताने में विफल रहे, उसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। आयकर विभाग और एसडीएम को रकम बरामदगी के बारे में सूचित कर दिया गया है।

स्टेशन मास्टर सोता रहा, आधे घंटे तक खड़ी रही ट्रेन

- उत्तर प्रदेश में इटावा के पास उदी मोड़ रेलवे स्टेशन की घटना

लखनऊ । कई बार तकनीकि दिक्कतों से तो कई बार खराब मौसम की वजह से ट्रेनें घंटों तक किसी जगह खड़ी रह जाती हैं। हालांकि आगरा मंडल के एक छोटे से स्टेशन पर एक ट्रेन को इसलिए आधे घंटे तक खड़ा रहना पड़ा, क्योंकि वहां के स्टेशन मास्टर को नींद आ गई थी और उस ट्रेन को झरी झंडी दिखाने वाला वहां कोई नहीं था। यह घटना उत्तर प्रदेश में इटावा के पास उदी मोड़ रेलवे स्टेशन पर की है, जहां पर स्टेशन मास्टर के ड्यूटी के दौरान सो जाने के कारण पटना-कोटा एक्सप्रेस ट्रेन करीब आधे घंटे तक हरी झंडी का इंतजार करती रही। यह स्टेशन आगरा मंडल के अंतर्गत आता है। इस घटना को गंभीरता से लेते हुए आगरा रेलवे मंडल ने स्टेशन मास्टर से इस लापरवाही का कारण बताने को कहा है, जिसके परिणामस्वरूप कोई अप्रिय घटना हो सकती थी। आगरा रेलवे मंडल की एक जनसंपर्क अधिकारी ने कहा` कि हमने स्टेशन मास्टर को आरोप पत्र जारी किया है और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा रही है। रेलवे अधिकारियों ने कहा कि उदी मोड़ रेलवे स्टेशन इटावा से पहले आने वाला एक छोटा, लेकिन महत्वपूर्ण स्टेशन है क्योंकि आगरा के साथ-साथ झांसी से प्रयागराज की ओर जाने वाली ट्रेन भी इस स्टेशन से गुजरती हैं। सूत्रों के मुताबिक ट्रेन के लोको पायलट को स्टेशन मास्टर को जगाने के लिए कई बार हॉर्न बजाना पड़ा ताकि वह ट्रेन को गुजरने के लिए हरी झंडी दे सके। स्टेशन मास्टर ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और चूक के लिए माफी मांगी है।

कनाडा में आतंरिक राजनैतिक कलह है इससे भारत का कोई लेना देना नहीं है: जयशंकर

भुवनेश्वर। कनाडा में खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के आरोप में तीन लोगों की गिरफ्तारी हुई है। इस मामले में भारत का हाथ होने के आरोप लगाए गए थे। इस पर भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से प्रश्न पूछा गया तो उन्होंने साफ कह दिया कि कनाडा में जो कुछ भी घट रहा है वो उनकी अपनी आंतरिक राजनैतिक कलह के कारण हो रहा है। इससे भारत का कोई लेना देना नहीं है। जयशंकर ने जबाव में कहा कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो भारत की आलोचना क्यों कर रहे हैं। विदेश मंत्री ने यहां वरिष्ठ पत्रकारों से बातचीत में कहा कि 'विकसित भारत' बनाने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सुधार के वास्ते देश को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तरह मजबूत और सक्रिय नेता की जरूरत है। भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, 'वैश्विक स्तर पर भारत की छवि अब पहले की तुलना में बहुत बेहतर हैज् कनाडा एक अपवाद है। आपने देखा है कि विभिन्न देशों के नेतृत्व, भारत और उसके प्रधानमंत्री की प्रशंसा करते हैं।' उन्होंने कहा कि खालिस्तान समर्थकों का एक वर्ग कनाडा के लोकतंत्र का इस्तेमाल कर रहा है, लॉबी बना रहा है और एक वोट बैंक बन गया है।विदेश मंत्री ने कहा कि कनाडा में सत्तारूढ़ दल के पास संसद में बहुमत नहीं है और कुछ दल खालिस्तान समर्थक नेताओं के भरोसे हैं। उन्होंने कहा, 'हमने उनसे कई बार कहा कि वे ऐसे लोगों को वीजा, मान्यता या राजनीतिक क्षेत्र में जगह नहीं दें जो उनके (कनाडा के) लिए, हमारे लिए और हमारे संबंधों में समस्या पैदा कर रहे हैं, लेकिन कनाडा सरकार ने कुछ नहीं किया।' उन्होंने कहा कि भारत ने 25 लोगों के प्रत्यर्पण की मांग की, जिनमें से अधिकांश खालिस्तान समर्थक हैं लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो ने पिछले साल सितंबर में भारतीय एजेंटों पर निज्जर की हत्या में 'संभावित रूप से' शामिल होने का आरोप लगाया था जिसके बाद भारत और कनाडा के संबंधों में तनाव आ गया था। भारत ने ट्रूडो के आरोपों को खारिज कर दिया था। चीन के साथ सीमा विवाद पर जयशंकर ने कहा, 'पिछले चार साल में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर बड़ी संख्या में सैनिकों का जमावड़ा कर हम पर दबाव बनाने की कोशिश की गई। हमने इसका कड़ा जवाब दिया है। आज भारतीय सेना के हजारों जवान चीन से लगे एलएसी पर तैनात हैं। हम बहुत स्पष्ट हैं, हम वहां हैं, हम मजबूत हैं, हम तैनात हैं।' विवादित क्षेत्रों को भारत के भू-भाग में दर्शा रहे मानचित्र वाले 100 रुपये के अपने नोट को चलन से हटाने के नेपाल सरकार के कदम पर जयशंकर ने कहा कि इससे जमीनी स्थिति नहीं बदलने जा रही।

चुनावी खर्चे छिपाने के मामले में बसपा प्रत्याशी पूजा सहित 4 को थमाया नोटिस

आगरा।

लोकसभा प्रत्याशियों के चुनावी खर्चे पर चुनाव आयोग पैनी नजर रख रहा है। जहां खर्चे को लेकर संदेह होता है उसकी जांच की जाती है। संतोषजनक जवाब नहीं देने पर उन्हे नोटिस थमाने में आयोग देरी नहीं कर रहा है। ऐसा ही मामला आगरा में आया है। जहां बसपा प्रत्याशी पूजा सहित 4 लोगों को आयोग ने नोटिस देकर जानकारी मांगी है। कलक्ट्रेट स्थित सैनिक कल्याण बोर्ड कार्यालय में शनिवार को 20 में 16 प्रत्याशियों के व्यय रजिस्टर की जांच की गई। प्रेक्षकों की मौजूदगी में हुई जांच में रजिस्टर और बिल वाउचर का मिलान किया गया। आगरा लोकसभा क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी पूजा अमरोही सहित चार प्रत्याशियों ने रजिस्टर नहीं दिखाया। लेखा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि आगरा लोकसभा क्षेत्र से बसपा प्रत्याशी पूजा अमरोही, लोकप्रिय राष्ट्रवादी पार्टी के प्रत्याशी जितेंद्र गौतम, निर्दलीय प्रत्याशी महेंद्र सिंह, फतेहपुर सीकरी लोकसभा क्षेत्र से राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के होतम सिंह न तो उपस्थित हुए और न ही व्यय रजिस्टर को भेजा। सभी चार प्रत्याशियों को रिटर्निंग अधिकारियों ने नोटिसी जारी किया है। 48 घंटे में व्यय रजिस्टर दिखाने के लिए कहा गया है। रजिस्टर न दिखाने पर मुकदमा दर्ज कराते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी।रिटर्निंग अधिकारियों ने सभी प्रत्याशियों को नोटिस जारी किया है। 48 घंटे में रजिस्टर दिखाने के लिए कहा गया है। रजिस्टर न दिखाने पर मुकदमा दर्ज कराते हुए सख्त कार्रवाई की जाएगी। आगरा लोकसभा क्षेत्र के तीन और फतेहपुर सीकरी क्षेत्र का एक प्रत्याशी शामिल है।लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी अधिकतम 95 लाख रुपये व्यय कर सकते हैं। शनिवार को तीसरी बार रजिस्टर की जांच सैनिक कल्याण बोर्ड कार्यालय में शुरू हई। भाजपा, सपा और कांग्रेस प्रत्याशियों ने रजिस्टर दिखाया। बिल वाउचर भी ठीक मिले।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हिंदू संगठन और नेताओं की हत्या की साजिश में गिरफ्तार मौलवी को कोर्ट ने ११ दिन की रिमांड पर भेजा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, हिंदू संगठन से जुड़े उपदेश राणा की हत्या की साजिश रची गई थी. इस अपराध में मौलवी मुहम्मद सोहेलअबुबकर को गिरफ्तार किया गया. फिर कोर्ट में पेश किया गया. जिसके बाद पुलिस ने कोर्ट से १४ दिन की रिमांड मांगी थी, हालांकि कोर्ट ने ११ दिन की रिमांड दी. हिंदू संगठनों से जुड़े नेताओं, अधिकारियों और व्यक्तियों को फोन कर जान से मारने की धमकी देने के साथ-साथ अभद्र भाषा का प्रयोग करने की भी शिकायतें मिल रही थीं. जिसके बाद मौलाना मोहम्मद सोहेल अबुबकर को सूरत क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया था. सूरत के ज्वाइंट सीपी राघवेंद्र वत्स ने बताया कि आरोपी का कनेक्शन नेपाल, पाकिस्तान, वियतनाम समेत कई देशों के लोगों से मिला है. चूंकि ये लोग गेमिंग ऐप्स का इस्तेमाल कर रहे थे, इसलिए इनकी तकनीकी तौर पर भी जांच की जाएगी. इसके अलावा सूरत में उसने कितने लोगों से संपर्क किया, इसकी भी पुलिस जांच कर रही है. आरोपी मस्जिदों से भी सीधे जुड़ा हुआ था क्योंकि वह बच्चों को धार्मिक शिक्षा दे रहा था. आरोपी पहले मस्जिद और फिर दूसरी जगह से लोगों को धमकाता था, पुलिस ने उस संबंध में भी जांच शुरू कर दी है. इसके अलावा हथियार किससे मंगवाया जाना था और डील कैसे होनी थी, इसकी भी पुलिस जांच करेगी. हिंदू संगठनों के नेताओं की हत्या की साजिश रची जा रही थी. इतना ही नहीं बल्कि तकनीक का इस्तेमाल कर फोन कॉल कर उन्हें धमकाया और दुर्व्यवहार किया जा रहा था, जिसकी जांच में सूरत क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली. सूरत क्राइम ब्रांच की ओर से मौलाना मोहम्मद सोहेल अबुबकर की १४ दिन की रिमांड की मांग की गई थी. कोर्ट ने ११ दिन की रिमांड दी. किससे जुड़ा है आरोपी? हत्या की सुपारी किसे दी गई? साथ ही इसका लिंक किसके किसके साथ है? इन सभी की जाँच की जायेगी.

वराछा में मल्टीलेवल पार्किंग एम-३ का ठेका जनवरी में पूरा होने के बावजूद पैसे की उगाही जारी: दिनेश काछड़िया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, आम आदमी पार्टी नेता और पूर्व नगरसेवक दिनेश काछड़िया ने मनपा आयुक्त शालिनी अग्रवाल को पत्र लिखकर आरोप लगाया है की सूरत नगर निगम के अंतर्गत वराछा जोन-ए में टीपी स्कीम नंबर चार में एम ३ मल्टी लेवल पार्किंग के लिए ठेकेदार का अनुबंध दिनांक ३१-१-२०२४ को समाप्त हो गया है. अगर दिन खत्म हो जाए तो सूरत नगर निगम की ओर से बैनर लगाया जाना चाहिए कि यहां मुफ्त पार्किंग है और मार्शल भी रखे जाने चाहिए, जो आज तक नहीं किया गया. ऐसे में पैसे की उगाही की बात सामने आई है.

दिनेश काछड़िया का आरोप है कि मल्टीलेवल पार्किंग में दूसरे, तीसरे, चौथे और पांचवें महीने के लोगों से किसी ने पैसे ले लिए हैं और पास भी बना दिए गए हैं. सूरत नगर निगम को लाखों रुपये का चूना लगाने वाला यह व्यक्ति कौन है और मुफ्त पार्किंग होने के बावजूद लोगों से लाखों रुपये वसूलने वाला यह व्यक्ति कौन है? क्या सूरत नगर निगम इतना लापरवाह है कि बैनर और मार्शल तक नहीं लगा सकता? आगे उन्होंने मनपा के जिम्मेदार अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि ऊपर से ऐसा लगता है कि सूरत मनपा के अधिकारी भी गैरजिम्मेदार हो गए हैं. क्या ऐसा संभव है कि ऐसे लोग लोगों के टैक्स के पैसे से सूरत के ७० लाख लोगों की संपत्ति चुराकर सिर्फ पैसा कमा रहे हों और सूरत नगर निगम के अधिकारी को पता न हो? मुझे लगता है कि इसमें कहीं न कहीं सभी लोग शामिल हो सकते हैं. इसकी सतर्कता से जांच होनी चाहिए. किसी सक्षम व्यक्ति से जांच कराई जाए ताकि जो भी दोषी हो उसके खिलाफ कार्रवाई हो और ऐसे अपराधी सलाखों के पीछे हों. ताकि आने वाले दिनों में सूरत नगर निगम किसी भी संपत्ति में इस तरह की घुसपैठ न कर सके.

दिनेश काछड़िया ने मांग की है की जिन लोगों का पैसा फ्री पार्किंग के बावजूद वसूला गया है उन्हें वापस किया जाए और जिसने भी यह अपराध किया है उसे तुरंत सजा दी जाए और जो भी इसमें शामिल है उसे तत्काल प्रभाव से बाहर किया जाए.

सलाबतपुरा पुलिस द्वारा २.६० ग्राम ड्रग्स व नशीली सिरप की बोतलों के साथ २ आरोपी पकड़ा गया, ३वांछित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, सूरत में २.६० ग्राम एमडी ड्रग्स, नशीली सिरप की बोतल के साथ दो आरोपी पकड़े गए हैं. सलाबतपुरा पुलिस टीम ने रूस्तमपुरा अकबर साहिद का टेकरा स्थित शेर अली बावा दरगाह के पास एक घर पर छापा मारा. इस दौरान पुलिस को वहा से २६ हजार कीमत की २.६० ग्राम प्रतिबंधित मेफेड्रोन ड्रग्स, १२२ बोतल नशीली conex.T सिरप, १ मोबाइल और ३४०० रुपये नकद मिले. इस घटना में पुलिस द्वारा ३ लोगों को वांछित घोषित किया गया है. डीसीपी भागीरथ गढ़वी ने बताया कि २८ वर्षीय मोहम्मद कामिल सुलेमान शेख और २० वर्षीय रिजवान इकबाल शेख सलाबतपुरा अकबर साहिद के टेकरा के पास मेफेड्रोन ड्रग्स बेच रहे थे. सूचना के आधार पर पुलिस ने छापेमारी की. पुलिस ने वहां से २.६० ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किया. इसके अलावा किसी भी तरह के प्रिस्क्रिप्शन के बिना बेचने पर भी प्रतिबंध है, ऐसे सिरप की १२२ बोतलें मिलीं. पुलिस ने ४९,८३० रुपये की एमडी ड्रग्स, सिरप और मोबाइल कैश जब्त किया है.इस घटना में ३ अन्य लोग भी शामिल हैं. जिसे अभी तक पकड़ा नहीं जा सका है. जिसमें एक का नाम शाहिद, विक्की शांताराम भावे और सोहिल इस्माइल खंजर है. गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी पहले सलाबतपुरा और रेलवे पुलिस स्टेशन में भी चोरी की वारदात में शामिल थे. आरोपी खुद भी नशे का आदी है और खुद भी नशा करता था और बेचता था.

"काम नहीं तो वोट नहीं" के बैनर लगाए गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

बेलीमोरा के पास यमुनानगर में लंबे समय से चली आ रही सीवरेज समस्या का कई बार ज्ञापन देने के बाद भी समाधान नहीं हुआ तो रविवार शाम को यमुनानगर में 'समस्या का समाधान होने तक वोट नहीं' के बैनर लगा दिए गए। प्राकृतिक कांस्य अंटालिया यमुनानगर सोसायटी से होकर गुजरता है जो ढकवाड़ा से भी होकर गुजरता है। अंताल्या ढाकवाड़ा सोसाइटी का जल निकासी जल इस प्राकृतिक बेसिन से छोड़ा जाता है। इन बांधों की अवैध डंपिंग के कारण अंताल्या और ढकवारा की सीमा के पास जल निकासी की समस्या उत्पन्न हो गई है। जिसमें सबसे ज्यादा परेशानी अंताल्या की यमुनानगर सोसायटी के निवासियों को हो रही है। सोसायटी के घरों से निकलने वाले गंदे पानी का निस्तारण न होने से गंदगी का साम्राज्य फैल गया है। अंटालिया ग्राम पंचायत ने अंतिम तिथि को गणदेवी तालुका पंचायत को प्रक्रिया के अनुसार लिखित रूप में ग्राम सभा में हल किया।

उधना पुलिस ने विभिन्न ब्रांडों की भारतीय निर्मित विदेशी शराब की १५८४ बोतलों के साथ १ आरोपी गिरफ्तार, ३ वांछित

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत, उधना पुलिस ने विभिन्न ब्रांडों की भारतीय निर्मित विदेशी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार कर तीन आरोपियों कों वांछित घोषित किया है. पुलिस को आरोपी के पास से शराब की १५८४ बोतले मिली, जिसकी कुल कीमत १,५८,४००/- रुपये है साथ ही एक एक्टिवा, जिसकी कीमत ५०,०००/- रुपये है. इस प्रकार पुलिस द्वारा कुल २,०८,४००/- रुपये का नकद माल सामान पकड़ा गया है. प्राप्त जानकारी के अनुसार उधना पुलिस स्टेशन के सर्विलांस स्टाफ के जवान गश्त पर थे. इस दौरान हेड कांस्टेबल भूपत धुंधा और अरविंद उगा को मिली निजी जानकारी के आधार पर भारतीय निर्मित विदेशी शराब की १५८४ बोतलों के साथ १ आरोपी गिरफ्तार किया गया. तस्करी में प्रयुक्त एक एक्टिवा को भी जप्त किया गया. और ३ आरोपीयों को वांछित घोषित किया गया. इस प्रकार गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस द्वारा कुल २,०८,४००/- रुपये का नकद माल सामान जप्त किया गया.

पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी अजीत राजनारायण सिंह के खिलाफ प्रोही एक्ट के तहत मामला दर्ज कर, १) सुनील उर्फ कालू टेशानिया (आरोपी जिसने शराब की मात्रा भेजी थी), (२) कमलेश उर्फ कालू सीताराम यादव (आरोपी जिसने शराब की मात्रा का ऑर्डर दिया था), (३) रवींद्र उर्फ लोटन पाटिल (आरोपी जिसने शराब की मात्रा का ऑर्डर दिया था) तीनों को वांछित घोषित कर आगे की कार्यवाही की गई.

वोट दें या नहीं? गलतफहमी दूर करने के लिए के दो हजार समाजों के अध्यक्षों के साथ पांच सितारा होटल में बैठक।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

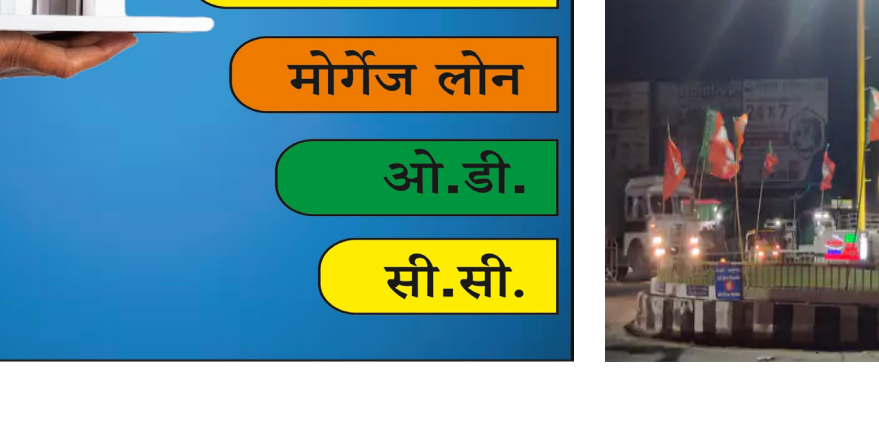

सूरत सीट के निर्विरोध घोषित होने के बाद इस बात को लेकर असमंजस की स्थिति थी कि मतदान किया जाए या नहीं। कारण यह है कि सूरत के लेबोरा, चोर्यासी, लिंबायत, उधना विधानसभा क्षेत्रों में शामिल इलाके नवसारी लोकसभा क्षेत्र में आते हैं। इसी गलतफहमी को दूर करने के लिए बीजेपी ने चुनाव प्रचार खत्म होने की पूर्व संध्या पर शहर के एक पांच सितारा होटल में दो हजार से ज्यादा सोसायटी के अध्यक्षों के साथ डिनर मीटिंग की. इस बैठक में प्रदेश अध्यक्ष एवं नवसारी लोकसभा प्रत्याशी सी.आर. पाटिल ने कहा कि आप सभी को आमंत्रित करने का इरादा यह है कि नवसारी में मतदान कम न हो. सूरत सीट तो निर्विरोध हो गई है लेकिन नवसारी चुनाव अभी बाकी है. फिर वोटिंग को लेकर गलतफहमियां दूर करने के लिए पार्षदों और कार्यकर्ताओं को हर सोसायटी में भेजा। आप सब भी मिलकर यह जिम्मेदारी लें कि आपके समाज के सभी सदस्य, मित्र मतदान करें। इस मुलाकात में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल के दौरान हुए विकास के बारे में भी बताया और सूरत शहर की विकास गाथा भी बताई.

मारोली चार रास्ता सर्किल पर राजनीतिक दलों के झंडों को लेकर बहस